दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 205 | पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 | रायपुर, शनिवार 08 अगस्त, 2026 | www.sakarbharat.com

Vastu Guruji

वास्तु हेतु संपर्क करें...

मो.नं. 9074110000 9770888888

वीबी-जी राम जी मिशन से ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति, 6,855 करोड़ रुपए से रोजगार और आधारभूत सुविधाओं का होगा विस्तार

सीएम विष्णुदेव साय ने 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान का किया शुभारंभ

6,671 बालिका शौचालय, 6,524 मुक्तिधाम-प्रतीक्षालय, 10,027 डिफंक्ट बोरवेल में बनेंगे रिचार्ज पिट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज महानदी भवन, नवा रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में विकसित भारत–रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी–जी राम जी के अंतर्गत राज्यव्यापी 'मेरी बेटी–मेरा अभिमान' अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने घोषणा की कि 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान प्रदेश के प्रत्येक गांव में मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों के सभी शासकीय विद्यालयों में बालिकाओं के लिए शौचालयों का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान बेटियों के सम्मान, ग्रामीण स्वच्छता, सामाजिक गरिमा और आधारभूत सुविधाओं को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार का ऐतिहासिक कदम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय विद्यालयों में 286.85 करोड़ रुपए की लागत से 6,671 बालिका शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक शौचालय की लागत 4.30 लाख रुपए निर्धारित की गई है। इसी प्रकार प्रदेश के 6,524 गांवों में 391.44 करोड़ रुपए की लागत से प्रतीक्षालय सहित मुक्तिधाम बनाए जाएंगे, जिनकी प्रति इकाई लागत 6 लाख रुपए होगी। इसके अतिरिक्त 18.22 करोड़ रुपए की लागत से 549 मुक्तिधामों का भी निर्माण किया जाएगा, जिनकी प्रति इकाई लागत 3.32 लाख रुपए निर्धारित की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य के 10,027 बंद अथवा डिफंक्ट बोरवेलों में 52.14 करोड़ रुपए की लागत से सैंड फिल्टर एवं रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण कराया जाएगा। प्रति इकाई लागत लगभग 52 हजार रुपए निर्धारित की गई है। इससे भू–जल स्तर में वृद्धि होगी, वर्षा जल का बेहतर संरक्षण होगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल स्वीकृत कर शीघ्र प्रारंभ कराया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वीबी–जी राम जी योजना पूरे देश में 1 जुलाई 2026 से लागू हुई है। योजना के अंतर्गत सभी विकास कार्यों का चयन ग्राम सभा की स्वीकृति से किया जाएगा तथा मजदूरी की दर बढ़ाकर 300 रुपए प्रतिदिन कर दी गई है। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत–2047' के संकल्प को गांव–गांव तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगी। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में मनरेगा और वीबी–जी राम जी के माध्यम से राज्य को लगभग 6,855 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे, जो ग्रामीण रोजगार और विकास कार्यों के लिए राज्य में अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय निवेश है। भारत सरकार से योजना की प्रथम किस्त के रूप में 1,538 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना में किसानों और श्रमिकों दोनों के हितों का संतुलित ध्यान रखा गया है। कृषि कार्यों के दौरान श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वर्ष में 60 दिनों तक योजना के कार्य बंद रखने का प्रावधान किया गया है, जिससे खेती और

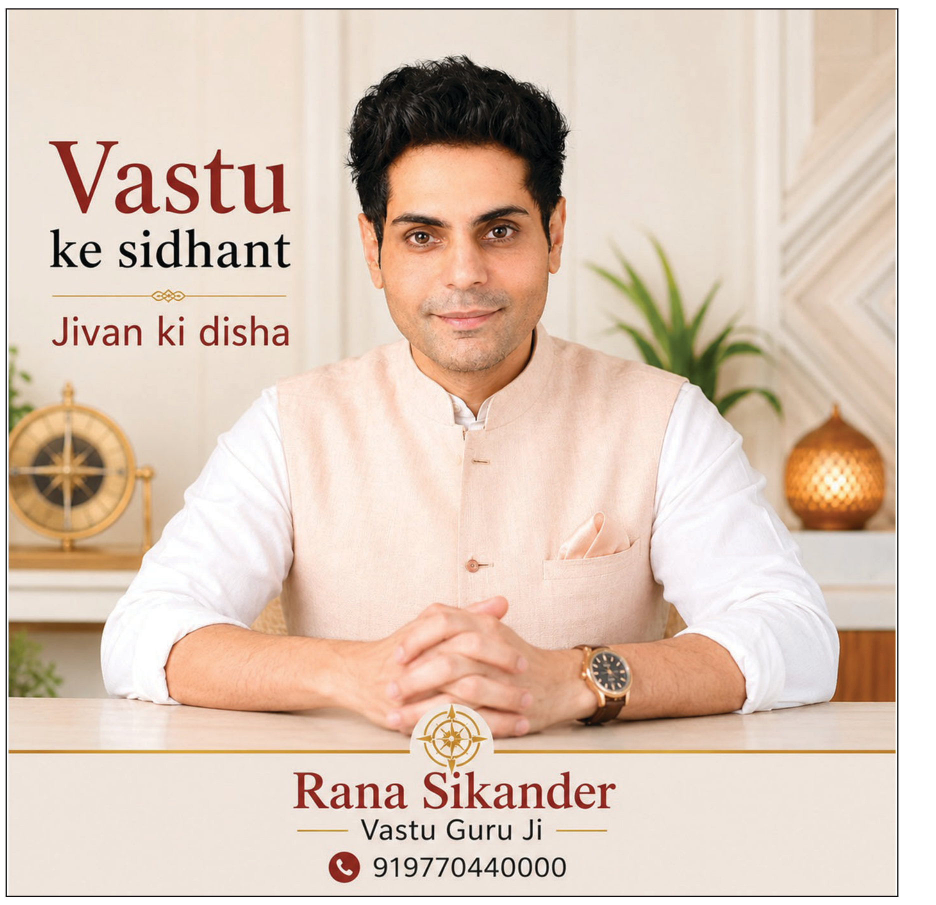

21. 81 करोड़ से नांदघाट-मुंगेली रोड होगा फोरलेन

रायपुर। राज्य शासन ने बेमेतरा जिले के नांदघाट से मुंगेली जिला मुख्यालय तक टू–लेन सड़क के फोरलेन में उन्नयन के लिए 21 करोड़ 81 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। इस राशि से 36.40 किमी फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से राशि स्वीकृति के संबंध में प्रमुख अभियंता को परिपत्र जारी कर दिया है। उप मुख्यमंत्री साव ने कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों एवं संपूर्ण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

समाज की एकजुटता सामाजिक विकास की सबसे बड़ी शक्ति : मंत्री राजेश अग्रवाल

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर में आयोजित रजवार समाज की महत्वपूर्ण बैठक एवं सम्मान समारोह में शामिल होकर समाज के वरिष्ठजनों, माताओं, बहनों और युवाओं से आत्मीय भेंट की। इस अवसर पर समाज की ओर से उनका पुष्पमालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया गया। समाज के प्रतिनिधियों ने विभिन्न सामाजिक एवं विकास संबंधी विषयों पर मंत्री को अवगत कराया और समाज के उत्थान के लिए आवश्यक पहल की अपेक्षा व्यक्त की।

बैठक को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता, शिक्षा और आपसी सहयोग में निहित होती है। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए तथा वरिष्ठजनों के अनुभवों का लाभ लेकर नई पीढ़ी को संगठित एवं संस्कारित करना समय की आवश्यकता है।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। समाज से जुड़े जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक पहल की जाएगी। उन्होंने सामाजिक समरसता बनाए रखने, परंपराओं एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा शिक्षा के स्तर को लगातार बेहतर बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने कहा कि रजवार समाज की बैठक में सम्मिलित होकर समाज के सभी वरिष्ठजनों, माताओं, बहनों एवं युवाओं से आत्मीय भेंट का अवसर मिला। इस दौरान आप सभी द्वारा दिए गए स्नेह, सम्मान और आत्मीय आतिथ्य के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। रजवार समाज का छत्तीसगढ़ के सामाजिक विकास, सांस्कृतिक विरासत और जनसेवा में योगदान सदैव प्रेरणादायी एवं अतुलनीय रहा है। रजवार समाज के सभी सम्मानित सदस्यों का हृदय से अभिनंदन एवं शुभकामनाएँ।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा स्पर्धा 18 से 21 अगस्त तक जुटेंगे प्रदेशभर के खिलाड़ी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में खेल संस्कृति को नई गति मिल रही है। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य सरकार लगातार प्रभावी पहल कर रही है। इसी कड़ी में गौरेला–पेंड्रा–मरवाही जिला 18 से 21 अगस्त तक आयोजित होने वाली 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। चार दिवसीय इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों से 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 540 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

राज्य सरकार खेलों को केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवन शैली का सशक्त आधार मानती है। शालेय स्तर पर आयोजित होने वाली ऐसी प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के साथ–साथ बड़े मंचों तक पहुंचने का अवसर प्रदान करती हैं।

जीवन में संघर्ष से मिली सफलता ही इतिहास रचती है : मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर। रायपुर जिला के तिल्दा विकासखंड के ग्राम बहेसर और तुलसी मार्ग के बीच की दूरी को कम करने वाली नई सड़क के भूमिपूजन अवसर पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि जीवन में संघर्ष से मिली सफलता ही इतिहास रचती है। एक साधारण परिवार या मजदूर का बच्चा जब मेहनत के बल पर आईएएस या आईपीएस बनता है, तो वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है। उन्होंने युवाओं से महापुरुषों के विचारों से सीख लेते हुए बिना किसी नकारात्मक प्रतिस्पर्धा के एक–दूसरे के सहयोग से आगे बढ़ने का आह्वान किया।

मंत्री वर्मा ने क्षेत्रीय जनभावनाओं और बुनियादी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मंत्री ने कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की सौगात दी। जिसमें बहेसर में साइकिल स्टैंड निर्माण के लिए 5 लाख रुपये, रंगमंच के समीप ज्योति कलश हेतु 5 लाख रुपये और रघुनंदन वर्मा के घर से मुख्य मार्ग तक सीसी रोड निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की घोषणा शामिल है। इसके साथ ही शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बहेसर के प्राथमिक शाला में दो नए कमरों के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये तथा जर्जर हो चुके पूर्व माध्यमिक शाला भवन के पुनर्निर्माण हेतु 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की।

मंत्री वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों से पूरे प्रदेश का कायाकल्प हो रहा है। छत्तीसगढ़ निरंतर विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने अपने राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन के सफर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने एक प्राथमिक शाला के शिक्षक के रूप में अपनी सेवा की शुरुआत की थी। उनका उद्देश्य सत्ता, पैसा या रुतबा हासिल करना कभी नहीं रहा, बल्कि बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र में ऐसे ऐतिहासिक कार्य करना है जिन्हें हमेशा याद रखा जाए।

SHORT NEWS

बर्थडे पर 1000 लोगों को मुफ्त में खिलाया वड़ा-पाव, आलू-गुंडा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नाश्ते का ठेला लगाने वाले अतुल धीवर ने गुरुवार (6 अगस्त) को अपना जन्मदिन अनोखे अंदाज में मनाया। उन्होंने अपने बर्थडे पर 1000 से ज्यादा छात्रों और स्थानीय लोगों को मुफ्त में वड़ा पाव और आलू गुंडा खिलाया।

इसकी जानकारी फैलते ही सुबह से शाम तक उनके ठेले पर लोगों की लंबी कतार लगी रही। अतुल का कहना है कि पूरे साल ग्राहक उन्हें कमाने का मौका देते हैं, इसलिए जन्मदिन पर वह उन्हें मुफ्त नाश्ता खिलाकर अपना आभार जताते हैं। उनके लिए साल के 365 दिनों में से एक दिन ग्राहकों को दिया जाने वाला यह रिटर्न गिफ्ट होता है।

विश्व स्तनपान सप्ताह के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सफल आयोजन, छत्तीसगढ़ के प्रथम 'मातृ दूध कोष' की घोषणा

रायपुर। विश्व स्तनपान सप्ताह (01–07 अगस्त 2026) के अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) तथा राज्य स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केन्द्र , छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आज रायपुर स्थित नया सभागृह, अटल बिहारी वाजपेयी सभागार, पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम काआयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में स्तनपान के महत्व के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाना, शिशुओं के समुचित पोषण एवं स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाना था।

कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण 'माता यशोदा सम्मान' रहा, जिसके अंतर्गत राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित 10 माताओं को सम्मानित किया गया। इन माताओं ने अपने मातृ दुग्ध का दान कर ऐसे नवजात शिशुओं को जीवनदायी सहयोग प्रदान किया, जिन्हें अपनी माताओं का दूध उपलब्ध नहीं हो पा रहा था। सम्मान समारोह के माध्यम से मातृ दुग्ध दान को एक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने का संदेश दिया गया तथा मातृत्व, संवेदनशीलता और मानवता की इस अनूठी मिसाल को समाज के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय श्री श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री अमित कटारिया, सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, श्री संजीव झा, आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं एवं मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, डॉ. प्रदीप कुमार पात्रा, कुलपति आयुष विश्वविद्यालय, डा. विवेक चौधरी डीन पंडित जवाहर लाल मेडिकल कॉलेज ने भाग लिए ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा ह्यूमन मिल्क बैंक स्टॉल के अवलोकन से हुआ। इसके पश्चात अतिथियों के मंचासीन होने के बाद दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदे मातरम् के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।

मुख्य अतिथि माननीय श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम, सुरक्षित एवं संपूर्ण आहार है तथा स्वस्थ एवं सशक्त समाज की आधारशिला है। उन्होंने मितानिन कार्यक्रम के 25 वर्षों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि मितानिन बहनों ने दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को जन–जन तक पहुँचाने में अतुलनीय भूमिका निभाई है।

होजाई जिला समिति (असम) के उपसभापति रमाकांत गौड़ ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी से की आत्मीय मुलाकात

रायपुर। होजाई जिला समिति (असम) के उपसभापति रमाकांत गौड़ ने आज रायपुर स्थित निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी से आत्मीय मुलाकात की।

इस अवसर पर दोनों के बीच समसामयिक विषयों, सुशासन, जनकल्याण तथा विभिन्न राज्यों के विकास संबंधी अनुभवों पर सार्थक चर्चा हुई। गौड़ ने वित्त मंत्री चौधरी के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रमाकांत गौड़ का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ संवाद से बेहतर कार्यप्रणालियों के आदान–प्रदान का अवसर मिलता है, जो जनहित और विकास को नई दिशा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री साय PARAS पोर्टल के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की समीक्षा

दुर्ग । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज **PARAS** पोर्टल (प्रोजेक्ट असेसमेंट, रिव्यू एवं एनालिसिस सिस्टम) के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विस्तृत समीक्षा की। बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर शामिल हुए। दुर्ग जिले से कलेक्टर अभिजीत सिंह एनआईसी कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

बैठक में मुख्यमंत्री ने सीएम हेल्पलाइन 1076 की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टरों को प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता एवं समयबद्ध तरीके से संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन का उद्देश्य आम नागरिकों को विभागों के चक्कर लगाए बिना उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान उपलब्ध कराना है, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से 721

अधिसूचित सेवाएं प्लेटफार्म के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन सेवाओं को अभी तक ऑनलाइन नहीं लाया गया है, उन्हें भी शीघ्र सेवा सेतु से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों, कॉमन सर्विस सेंटर तथा अटल सेवा केंद्रों के माध्यम से सेवा सेतु का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिकाधिक नागरिक घर के निकट ही ऑनलाइन सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सीमांकन संबंधी प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। उन्होंने सभी कलेक्टरों को नियमित समीक्षा कर ऐसे मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री साय ने एग्रीस्टैक पोर्टल पर किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने तथा लंबित बकेट क्लेम प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही 30 सितम्बर 2026 तक सभी गांवों में डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य शत-प्रतिशत पूरा करने पर जोर दिया। बैठक में वीबी-जी राम योजना की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में योजना के तहत कम से कम एक कार्य स्वीकृत करने के निर्देश देते हुए कहा कि पंजीकृत श्रमिकों को मांग के अनुरूप समय पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए।

अर्जुंदा थाना को मिले नए प्रभारी, निरीक्षक नरेश देशमुख ने संभाला कार्यभार

बालोद। अर्जुंदा थाना को नए थाना प्रभारी के रूप में निरीक्षक नरेश देशमुख की नियुक्ति की गई है। वे नगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय, राजहरा से स्थानांतरित होकर अर्जुंदा पहुंचे हैं और उन्होंने थाना प्रभारी का पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने निरीक्षक इंदिरा वैष्णव के स्थानांतरण के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है।

जिले में हाल ही में पदस्थ हुए पुलिस अधीक्षक आईपीएस किरण गंगाराम चव्हाण के नेतृत्व में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। जुलाई 2026 में पदभार ग्रहण करने के बाद पुलिस अधीक्षक ने अवैध गतिविधियों, नशे के कारोबार, जुआ, सट्टा तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने की बात कही थी। इसी नीति के अनुरूप जिले के विभिन्न थानों में निरीक्षकों की नई पदस्थापना की गई है, ताकि कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

पदभार ग्रहण करने के बाद थाना प्रभारी निरीक्षक नरेश देशमुख ने थाना स्टाफ की बैठक लेकर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए।

महिला समेत 3 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा । सोना नवीनीकरण एवं ऋण अवधि बढ़ाने का लालच देकर 90 लाख 28 हजार रुपए की धोखाधड़ी मामले में पुलिस महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला बाराद्वार थाना क्षेत्र के ग्राम जेठा का है। इस संबंध में बाराद्वार पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जेठा निवासी मूलचंद राठौर पिता धनीराम राठौर उम्र 48 वर्ष ने 5 मई को थाना उपस्थित आकर लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि पेण्ड्रा निवासी रेखा राठौर, पुष्पांजली राठौर, अफरोज खान एवं सुभाष साहू के द्वारा सोना नवनीकरण एवं ऋण अवधी को आगे बढ़ाने की लालच देकर प्रार्थी के एवं उसके पत्नि, पुत्र के विभिन्न बैंक खातों एवं यूपीआई नेफ्ट आरटीजीएस आइएमपीएस के माध्यम से रेखा राठौर, अफरोज खान, सुभाष साहू के द्वारा अपने अकाउंट नंबरो में ट्रांसफर करा कर 90 लाख 28 हजार 5 सौ रूपये बेईमानी से उत्प्रेरित कर ठगी किया गया।

डिजिटल न्याय वितरण प्रणाली की नई गति : 'मीडिएशन 3.0', 'न्याय श्रुति' और 'ICJS' पर दी गई विस्तृत जानकारी

दुर्ग । न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 02 अगस्त 2026 को रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला '**Strengthening Digital Justice Through New Criminal Laws**' में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग (छ.ग.) द्वारा नवीन आपराधिक विधियों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा तकनीक-संचालित न्याय वितरण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 'मीडिएशन 3.0, न्याय श्रुति एवं ढ्ढष्टछ्वस्' विषय पर एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय संयुक्त कार्यशाला का आयोजन किया गया।

राज्य में न्यायिक नवाचार, संस्थागत उत्कृष्टता एवं प्रौद्योगिकी आधारित न्यायिक सुधारों को निरंतर प्रोत्साहित करने वाले न्यायमूर्ति पी. पी. साहू के मूल्यवान मार्गदर्शन एवं सतत प्रेरणा ने इस पहल को नई दिशा प्रदान की है। न्यायिक अधिकारियों, अभियोजन अधिकारियों एवं न्यायिक प्रणाली की कार्यशक्ति न्यायिक कर्मचारियों को मीडिएशन 3.0, न्याय श्रुति एवं **ICJS** के व्यावहारिक एवं तकनीकी पक्षों से अवगत कराने हेतु प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग (छ.ग.) द्वारा इस संस्थागत पहल की परिकल्पना की गई, जिससे जिला स्तर पर डिजिटल एवं समन्वित न्याय वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाया जा सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ कंप्यूटराईजेशन समिति के अध्यक्ष तथा जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश दीपक कोसले के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कार्यशाला की विषय-वस्तु, उद्देश्य एवं उपयोगिता पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए नवीन आपराधिक विधियों के प्रभावी क्रियान्वयन में डिजिटल तकनीकों की भूमिका, न्यायिक प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण तथा न्यायालयों में प्रौद्योगिकी आधारित कार्य-संस्कृति के महत्व पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

तत्पश्चात व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कामिनी जायसवाल ने 'मीडिएशन 3.0' विषय पर अत्यंत प्रभावशाली एवं ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी। उन्होंने मध्यस्थता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से लेकर वर्तमान समय में इसकी बढ़ती आवश्यकता, न्यायालयों में वैकल्पिक विवाद समाधान की भूमिका तथा भविष्य की संभावनाओं का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने विभिन्न व्यावहारिक उदाहरणों एवं प्रोजेक्टर पर प्रदर्शित स्लाइड्स के माध्यम से विषय को अत्यंत सरल एवं सहज रूप में प्रस्तुत किया।

इसके उपरांत व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी रवि महोबिया ने 'न्याय श्रुति' एवं ढ्ढष्टछ्वस् के संबंध में विस्तृत तकनीकी जानकारी प्रदान की। उन्होंने न्याय श्रुति एप्लिकेशन का वेबसाइट के माध्यम से लाइव प्रदर्शन करते हुए उसके विभिन्न मॉड्यूल, उपयोगिता एवं नवीन आपराधिक विधियों के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के प्रबंधन, डिजिटल अभिलेखों तथा न्यायिक कार्यप्रणाली में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का विस्तारपूर्वक प्रदर्शन किया।

श्री चिन्मय सागर जी महाराज जंगल वाले बाबा का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया

भाटापारा । श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर भाटापारा में प्रात 7:45 पर महावीर भगवान का जन्म अभिषेक महोत्सव, शांति धारा, आरती संपन्न की गई। चिन्मय सागर जी महाराज जंगल वाले बाबा का 65 वा जन्म दिवस है, चिन्मय सागर जी महाराज जंगल वाले बाबा का मूल सिंहासन जिस पर महाराज जी बैठते थे, और महाराज जी को खड़े करके उनके मूल चरण बनाए गए थे, 2010 में शिवपुरी के जंगलों में, वह मुख्य चरण भी यहां विराजमान है। उन चरणों का आज चरण अभिषेक जल, दूध ,केसर ,चंदन, हल्दी के माध्यम से संपन्न हुआ। उसके पश्चात रत्न वृष्टि एवं पुष्प वृष्टि संपन्न हुई। सभी लोग लोगों ने मिलकर जंगल वाले बाबा चिन्मय सागर जी महाराज की भक्ति भाव से अष्ट द्रव्य से पूजन की। श्री चिन्मय सागर विद्या निकेतन बोरतरा में आज वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ ,वृक्षारोपण कार्यक्रम में स्कूल के समस्त टीचर स्टाफ, बच्चे ,जैन समाज के श्रावक, मोदी परिवार के सभी सदस्य एवं श्रीमती सुमन लता मोदी जी अभिषेक मोदी विशेष रूप से उपस्थित रहे । सरकारी अस्पताल एवं आडील हॉस्पिटल में मरीजों को बिस्किट एवं फल वितरण किया गया। 4:00 बजे रेलवे स्टेशन के सभी यात्रियों को पूरी सब्जी एवं पुलाव का वितरण किया गया। इन समस्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रकाश सुमन लता मोदी ,आलोक रजनी मोदी, विनोद अंशु मोदी, अरिंजय मोदी,अभिषेक नेहा, राहुल ,नितिन गदिया,संजय जैन साड़ी, संदीप जैन साड़ी , अंकुश जैन,पंकज गदिया, नवीन गदिया ,अभिनव, अभिनंदन अक्षत मोदी, संजय शील चंद जी , आर्नव अनायशा सनाया रियान आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

जूनियर एशिया कप मोक़ी (चीन) में दिखाऐंगी जौहर

राजनांदगांव । बैंग्लोर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही जूनियर इंडिया कोर टीम में शामिल प्रदेश की गीता यादव और मधु सिदार का चयन मोकी (चीन) में खेले जाने वाले जूनियर एशिया कप 2026 के लिए किया गया है ,

20 सदस्यी टीम का चयन बंगलौर में आयोजित कोचिंग कैंप में उत्कृष्ट खेल के प्रदर्शन के आधार पर किया गया , ज्ञात हो कि कु.गीता यादव विगत 3 वर्षो से जूनियर टीम की सदस्य के रूप में शामिल है तथा मधु सिदार हाल ही में जूनियर इंडिया टीम के सदस्य के रूप में शामिल हुई है ,उन्होने अपने खेल के प्रदर्शन के आधार पर यह जगह बनाई है। छत्तीसगढ हॉकी के अध्यक्ष श्फिरोज अंसारी ने बताया की आगामी दिनांक 30 अगस्त से 13 सितम्बर 2026 तक आयोजित जूनियर बालिका एशिया कप 2026 के पूर्व भी कु.गीता ने

बेल्जियम,नीदरलैंड और जर्मनी का दौरा किया था यह उसका दुसरा दौरा होगा जो जूनियर महिला इंडिया टीम की ओर से प्रतिनिधित्व करेगी। साथ ही मधु सिदार ने बहुत कम समय में यह मुकाम हासिल किया है वह 1वर्ष के भीतर ही टीम में अपना स्थान बनाते हुए चीन का दौरा करेगी।

डीईओ से मिले समग्र शिक्षक फेडरेशन के पदाधिकारी, पदोन्नति व लंबित समस्याओं के समाधान पर हुई चर्चा

बलौदाबाजार । छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने जिला शिक्षा अधिकारी से सौजन्य भेंट कर शिक्षकों से जुड़ी विभिन्न लंबित समस्याओं एवं मांगों पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान पाठक पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने, छूटे हुए शिक्षकों की परीक्षा अनुमति जारी करने तथा जिले की अन्य स्थानीय समस्याओं के त्वरित निराकरण की मांग उठाई। फेडरेशन ने रसेड़ा संकुल समन्वयक संतोष कुमार सोनवानी पर अधीनस्थ विद्यालयों के उपस्थिति पंजी में शिक्षकों को जबरन अनुपस्थित दर्ज किए जाने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच एवं तीन दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई की मांग भी की। जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया

कि लंबित परीक्षा अनुमतियां शीघ्र जारी की जाएंगी तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं रसेड़ा संकुल समन्वयक के विरुद्ध प्राप्त शिकायत की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का भरोसा भी दिया। प्रधान पाठक पदोन्नति के संबंध में संबंधित अधिकारी ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय के दिशा-निर्देशों के कुछ बिंदुओं पर संशय होने के कारण उच्च कार्यालय से मार्गदर्शन मांगा गया है। स्पष्ट निर्देश प्राप्त होने के बाद वरिष्ठता सूची तैयार कर नियमानुसार पदोन्नति प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल में जिला अध्यक्ष मुरित श्रीवास, जिला सचिव तुलसीचरण जायसवाल, महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष रितु मेश्राम, ब्लॉक अध्यक्ष संत कुमार साहू, ब्लॉक उपाध्यक्ष ललिता नामदेव, बोधन सिंह साहू, सहसचिव लखेश्वर पटेल, मीडिया प्रभारी रामनाथ साहू, मनोज पैकरा, तहसील अध्यक्ष बेनीराम साहू, अरुण कुमार वर्मा, रमेश कुमार लहरी, मोहन धीवर, रणजीत कोसले, सरोज घृतलहरे सहित अनेक पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से बदल रही जिंदगीः अब बिजली बिल शून्य, सोलर रिबेट से हो रही अतिरिक्त आय

छुईखदान । भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए आर्थिक बचत और स्वच्छ ऊर्जा का प्रभावी माध्यम बन रही है। जिले के छुईखदान विकासखंड के कनक नगर निवासी इब्राहिम खान इस योजना का लाभ लेकर न केवल अपने बिजली खर्च से मुक्त हुए हैं, बल्कि अतिरिक्त आय भी अर्जित कर रहे हैं। इब्राहिम खान ने योजना के तहत अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराया। इससे पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 1,500 रुपये आता था, जिससे घरेलू बजट पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता था। सोलर प्लांट लगने के बाद अब उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य (0) हो गया है।

हाल ही में उनके सोलर रूफटॉप सिस्टम से 208 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जिसके एवज में उन्हें 425 रुपये का सोलर रिबेट भी प्राप्त हुआ। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह योजना बिजली की बचत के साथ अतिरिक्त आर्थिक लाभ का भी अवसर प्रदान कर रही है। इब्राहिम खान का कहना है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने उनके परिवार की मासिक बिजली लागत को पूरी तरह समाप्त कर दिया है।

पंडवानी की वेदमती और कापालिक शैलियों ने बांधा समां

तीजन बाई को सांगीतिक श्रद्धांजलि

खैरागढ़ इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. (डॉ.) लवली शर्मा की अध्यक्षता में पद्मविभूषण स्वर्गीय तीजन बाई को समर्पित सांगीतिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंडवानी की वेदमती और कापालिक शैलियों में प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से महान लोकगायिका तीजन बाई को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री उषा बारले उपस्थित रहीं। इसके अलावा चेतन देवांगन, रम्भा बाई देशमुख, सावित्री पारधी, रेडु देशमुख (तीजन बाई परिवार), आलिम बंशी, केवल देशमुख, चैतराम साहू, रामचंद निषाद, नरोत्तम निषाद तथा तीजन बाई के वरिष्ठ संगतकार डालेश्वर निर्मल की उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय के कुलसचिव वेंकटरमन गुड़े, लोकसंगीत विभाग के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. राजन यादव, संगीत संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. नमन दत्त सहित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण सुप्रसिद्ध पंडवानी कलाकार *दुष्यंत द्विवेदी की प्रस्तुति रही। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016 में संगीत नाटक अकादमी के प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ युवा पुरस्कार* से सम्मानित द्विवेदी ने वेदमती शैली में 'द्रौपदी स्वयंवर' का सजीव और प्रभावशाली गायन प्रस्तुत किया। वर्ष 2020 में उन्हें संस्कृति

मंत्रालय की संस्था सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र की जूनियर फेलोशिप भी प्राप्त हुई थी। वर्ष 2025 में उन्हें भाग्य विधाता सम्मान से सम्मानित किया गया। वे देश के विभिन्न प्रतिष्ठित सांस्कृतिक मंचों पर पंडवानी की प्रस्तुति दे चुके हैं। इनमें गुवाहाटी, सिलचर, नई दिल्ली, सूरत, इम्फाल, प्रयागराज महाकुंभ-2025 के कलाग्राम, मुंबई फिल्म सिटी सहित अनेक मंच शामिल हैं। फरवरी 2026 में नई दिल्ली में भारत के कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन के निवास पर भी उन्होंने विशेष प्रस्तुति दी थी।

दूजन बाई ने 'द्रौपदी चीरहरण' से किया भाव-विभोर

बिलासपुर की वरिष्ठ पंडवानी गायिका दूजन बाई ने कापालिक शैली में 'द्रौपदी चीरहरण' प्रसंग की मार्मिक प्रस्तुति दी। उनकी भावपूर्ण गायकी और सशक्त अभिनय ने सभागार में मौजूद दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। दूजन बाई छत्तीसगढ़ सहित देश के कई राज्यों के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक मंचों पर अपनी प्रस्तुतियों के लिए पहचान रखती हैं।

विप्र-सुरभि का भव्य विमोचन, सर्व ब्राह्मण समाज के इतिहास में जुड़ा स्वर्णिम अध्याय

बलौदाबाजार। सर्व ब्राह्मण समाज की प्रथम स्मारिका एवं वार्षिक पत्रिका विप्र-सुरभि का भव्य विमोचन समारोह पंडित वाल्मीकि शुक्ला स्मृति विप्र वाटिका में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समाज के इतिहास में इस आयोजन को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। समारोह में समाज के वरिष्ठजन, महिलाएं, युवा एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य पंडित रामसुंदर दास रहे, जबकि अध्यक्षता सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष श्याम कुमार शुक्ला ने की। विशिष्ट अतिथियों में प्रभा शुक्ला, रामकुमार शुक्ला, समाज के पूर्व अध्यक्ष अशोक तिवारी, अंबुजा विद्यालय के प्राचार्य संजय पांडे, यू.के. मिश्रा, नरेंद्र मिश्रा एवं एस.पी. पांडेय शामिल रहे।

नंदई एवं टाकापारा में हुई अतिक्रमण पर कार्यवाही

राजनांदगांव । नगर निगम द्वारा यातायात में बाधित तथा बारिश का पानी निकासी में अवरोध अतिक्रमण हटाने अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत कल नंदई कोठारपारा रोड में अतिक्रणम की तैयारी को आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम की उपस्थिति में जे.सी.बी. से तोड़ा गया। वही आज टाकापारा से रोड में रखे ठेले हटाए गये।

बारिश में साफ सफाई की दृष्टिकोण से एवं समुचित पानी निकासी के लिए नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता वार्डो में निरीक्षण कर निकासी में आये बाधा और आवागमन प्रभावित होने की दृष्टिकोण से अतिक्रमण हटाव अभियान चला रही है। वही मलमा मंडप के तहत रोड में व नाली जाम कर रखे बिल्डिंग मटेरियल एवं मलमा भी हटाने के साथ साथ गंदगी फैलाने पर जुर्माना की कार्यवाही कर रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज निगम आयुक्त श्री मरकाम के निर्देश पर नगर निगम की अतिक्रमण हटाव टीम ने पुराना बस स्टैण्ड रोड से टाकापारा रोड में सड़क एवं नाली के पास रखे 6 ठेला हटाये गये। वही कल नंदई कोठार पारा रोड में सड़क पर अतिक्रमण कर बीम डाला जा रहा था, जिसकी शिकायत पर आयुक्त की उपस्थिति में जे.सी.बी. से तोडा गया। यह अभियान निरंतर जारी रहेगी।

बालोद के पहलवान ने अपनी कला का किया प्रदर्शन

बालोद । एमजीएम दुर्ग कुश्ती संघ के द्वारा संभाग स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता एमजीएम क्लब दुर्ग में आयोजित किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के राजनांदगांव, बालोद, धमतरी, खैरागढ़, दुर्ग एवं विभिन्न स्थानों से पहलवानों ने अपनी अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया। जिसमें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियो का चयन किया गयाद्य जय बजरंग अखाड़ा व्यायाम शाला बालोद से कुश्ती खिलाड़ी शुभम ढीमर के बेहतरीन प्रदर्शन से राज्य स्तरीय कुश्ती के लिए चयन हुआ। आगे दिनों में यह प्रतियोगिता धमतरी में होगी जहां से विजयी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिलेगा। इस दौरान आज चयनित हुए खिलाड़ियों को प्रदेश कुश्ती संघ पदाधिकारियों,दुर्ग जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष व कलार समाज के मंडलेश्वर शिवसागर सिन्हा, जय बजरंग अखाड़ा व्यायाम शाला के रामेश्वर ढीमर, नेमीचंद नाग, आनंद ढीमर, द्वारिका सिन्हा, विजय पारख,मुकेश यादव, अंगद साहू,रवि पटेल, जागेश साहू, तनवीर आलम , टीकम ढीमर,चुनेश साहू, बलवंत आदि ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी ।

बल पूर्वक कब्जा कर अवैध निर्माण करने वालों को नगर पालिका ने थमाया नोटिस

बालोद । रजिस्ट्री जमीन पर अन्य लोगों द्वारा बलपूर्वक कब्जा कर अवैध निर्माण करने वाले टंडन लाल कावरे पिता शंकर लाल कावरे एवं ललित कावरे पिता शंकर लाल कावरे को निर्माण कार्य तत्काल रोकने नगर पालिका बालोद ने नोटिस जारी किया है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि यदि तत्काल निर्माण कार्य नहीं रोका गया तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आवेदन में वेदव्यास देवांगन पिता जीवनलाल देवांगन निवासी वार्ड क्रमांक 11 गंजपारा बालोद ने इस आशय की शिकायत नगर पालिका में की थी। इस पर कार्रवाई करते हुए यह नोटिस जारी किया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय व नगर पालिका को शिकायत में वेदव्यास ने कहा है कि उनकी माता श्रीमती नैनीबाई देवांगन के नाम पर वार्ड क्रमांक 11 गंजपारा बालोद में मुख्य मार्ग पर भूमि खसरा नंबर 614/70 रकबा 0.02 हेक्टर भूमि स्थित है। यह भूमि पूर्ण रूप से स्वामित्व है जिसकी रजिस्ट्री कागजात भी है। इस भूमि पर पहले से बने खंडहरनुमा मालबा को हटाकर आहाता निर्माण करने हेतु उनके द्वारा नगर पालिका से स्वीकृति प्राप्त करने के बाद निर्माण कार्य किया जा रहा था, तभी अनावेदक गण टंडन लाल कावरे पिता शंकर लाल कावरे एवं ललित कावरे पिता शंकर लाल कावरे द्वारा जबरदस्ती बलपूर्वक घुसकर निर्माण कार्य को तोड़ फोड़ दिया गया। साथ ही अनावेदकों द्वारा अश्लील गाली गलौज कर तथा जान से मारने व एसटी एससी एक्ट में फसाने की धमकी दी गई है। वेदव्यास देवांगन ने आगे कहा है कि इसकी शिकायत तत्काल आठ जुलाई को मेरे द्वारा बालोद थाने में की गई।

बोल बम जटाशंकर कावड़ यात्रा समिति की बैठक लाल बहादुर नगर में संपन्न

डोंगरगढ़। सावन माह के अंतिम सोमवार को आयोजित होने वाली पारंपरिक बोल बम जटाशंकर कावड़ यात्रा एवं शिव महोत्सव को भव्य, सुव्यवस्थित और श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बोल बम जटाशंकर कावड़ यात्रा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक लाल बहादुर नगर में आयोजित की गई। बैठक में समिति के पदाधिकारियों एवं शिवभक्तों ने आगामी आयोजन की विस्तृत रूपरेखा पर विचार-विमर्श करते हुए यात्रा को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर चर्चा की। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष 24 अगस्त 2026, सोमवार को सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर शिवभक्त लगभग 15 किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए चिचोला से पवित्र जल लेकर डोंगरगढ़ स्थित जटाशंकर मंदिर शिवधाम पर्वत पहुंचेंगे।

तीन दशक से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वरिष्ठ पत्रकार टीकम पिपरिया का सम्मान

बालोद । छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था आगासदिया एवं वैभव प्रकाशन रायपुर का संयुक्त आयोजन 5 सितंबर को विधानसभा अध्यक्ष रायपुर के आवास स्थित सभागार में रखा गया। इसमें बीते तीन दशक से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वरिष्ठ पत्रकार बालोद निवासी टीकम पिपरिया का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह थे। अध्यक्षता राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने की। आगासदिया के अध्यक्ष डॉ परदेसी राम वर्मा ने स्वागत भाषण दिया। वैभव प्रकाशन के सलाहकार डॉ सुधीर शर्मा ने आयोजन की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर प्रसिद्ध लेखिका डॉ रजनी नेल्सन की किताब सुरंग के सातरंग, डॉक्टर शिरोमणि माथुर की किताब अंतरज्योति तथा दिनेश चौहान की किताब कुछ प्रसिद्ध कहानी एवं लोककथाओं का छत्तीसगढ़ी अनुवाद का विमोचन भी किया गया। साथ ही साहित्यकार कैलाश चंद्र जैन बरमेचा, यमुनोत्री वर्मा का भी सम्मान किया गया।

समान पत्र में प्रसिद्ध लेखिका व शिक्षाविद डॉक्टर रजनी नेल्सन ने कहा कि टीकम पिपरिया बीते तीन दशक से पत्रकारिता के क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं। वे नईदुनिया, हरिभूमि, दैनिक छत्तीसगढ़ जैसे प्रतिष्ठित अखबारों में एक नियमित पत्रकार के रूप में कार्य कर चुके हैं। नईदुनिया भिलाई व रायपुर में सीनियर सब एडिटर के पद पर रहते हुए क्षेत्रीय समस्याओं को प्रमुखता के साथ उठाया है। इसके अलावा खासतौर पर बालोद जिला की समस्याओं सहित विभिन्न गतिविधियों को प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया है। वे न केवल कुशल पत्रकार हैं, बल्कि समसामयिक विषयों पर लिखने वाले कवि व अच्छे साहित्यकार भी हैं। सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक व धार्मिक गतिविधियों में वे लगातार भाग लेते हैं।

किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में मिले खाद व गुणवत्तायुक्त बीज, वितरण व्यवस्था में लापरवाही ना हो : कृषि मंत्री नेताम

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने खाद भण्डारण केंद्र, बीज निगम एवं सहकारी समिति का किया औचक निरीक्षण

अम्बिकापुर। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने गुरुवार को जिले में कृषि व्यवस्थाओं का जायजा लेने खाद भण्डारण केंद्र ट्रांसपोर्ट नगर, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड अजीरमा तथा आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित नमनाकला एवं सरगवां का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों को खाद एवं बीज की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था तथा भण्डारण की स्थिति का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण में कृषि विभाग के उपसंचालक पितांबर सिंह दीवान, डीएमओ अरुण विश्वकर्मा सहित संबंधित

अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान कृषि मंत्री नेताम ने खाद भंडारण केंद्र (डबल लॉक सेंटर) ट्रांसपोर्ट नगर का औचक निरीक्षण किया। केंद्र में एनपीके, पोटास, एसएसपी सहित अन्य खाद का भंडारण पाया गया। उन्होंने उर्वरकों के स्टॉक की जानकारी ली और जिला विपणन अधिकारी को निर्देश दिया गया कि समितियों से मांग अनुसार आपूर्ति करवाएं, जिससे किसानों को कृषि कार्य में असुविधा न हो। जिले मे पर्याप्त खाद भंडारण रखें, वितरण व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी हो। इस दौरान मंत्री नेताम ने केंद्र परिसर में पौधारोपण करवाने तथा प्लेटफार्म निर्माण सहित अन्य जरूरी सुधार कार्य के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के निरीक्षण के दौरान मंत्री नेताम ने विभिन्न फसलों के प्रमाणित बीजों की उपलब्धता, गुणवत्ता एवं भंडारण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराए जाएं, बोआई के सीजन में जिले में बीज की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। इसके बाद मंत्री नेताम ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित नमनाकला एवं सरगवां का निरीक्षण कर किसानों को दी जा रही सेवाओं, खाद-बीज वितरण एवं रिकॉर्ड का अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थित किसानों से बात कर व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया। किसानों की मांग पर सोसायटी परिसर में बाउंड्री वॉल तथा शेड निर्माण कराए जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस हेतु उन्होंने स्वयं कलेक्टर सरगुजा से फोन पर चर्चा कर आवश्यक व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने समिति प्रबंधक को किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कृषकों को खाद एवं बीज वितरित करने के निर्देश दिए।

मेरा युवा भारतः दो दिवसीय मेगा पंजीकरण शिविर संपन्न

अम्बिकापुर। मेरा युवा भारत के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर में 5 एवं 6 अगस्त को 'मेरा युवा भारत' (माय भारत) के अंतर्गत दो दिवसीय मेगा पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया।

समापन समारोह में गुरुवार को नगर निगम अंबिकापुर की महापौर मंजूषा भगत उपस्थित रहीं। उन्होंने शिविर का अवलोकन करते हुए पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी ली तथा विद्यार्थियों को इस योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला समन्वय समिति की सदस्य सुनीता दास एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। शिविर में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस दौरान विद्यार्थियों को 'मेरा युवा भारत' योजना की विस्तृत जानकारी माई भारत के नोडल अधिकारी अक्षय रंजन वर्मा एवं उनकी टीम द्वारा प्रदान की गई।

शिव महापुराण कथा में उमड़ रही श्रद्धालुओं की अपार आस्था

जांजगीर । धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में श्रद्धालुओं की आस्था निरंतर बढ़ती जा रही है। कथा के तीसरे दिन भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा स्थल पहुंचे। हालात ऐसे रहे कि पंडाल पूरी तरह भर गया और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को बाहर बैठकर कथा श्रवण करना पड़ा। प्रख्यात कथावाचक पंडित युवराज पांडे अपने ओजस्वी एवं भावपूर्ण प्रवचनों से भगवान शिव की महिमा, भक्ति और सनातन संस्कृति का संदेश दे रहे हैं। उनके मुखारविंद से प्रवाहित हो रही शिव कथा का रसपान करने के लिए आसपास के गांवों के अलावा दूर-दराज के जिलों और अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु शिवरीनारायण पहुंच रहे हैं। श्रावण मास में आयोजित इस दिव्य कथा के दौरान पूरा वातावरण शिवमय हो उठा है। कथा स्थल पर श्रद्धालु पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव से भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए कथा का श्रवण कर रहे हैं। आयोजन स्थल पर भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों से भक्तिमय माहौल बना हुआ है।

आयोजन समिति के अनुसार कथा के आगामी दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैठने, पेयजल, पार्किंग और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं का कहना है कि पंडित युवराज पांडे की सरल, मधुर और प्रेरणादायी कथा उन्हें भगवान शिव की भक्ति से जोड़ रही है। सावन माह में आयोजित यह शिव महापुराण कथा धार्मिक नगरी शिवरीनारायण को पूर्णतः भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर रही है।

किलकिला मार्ग की बदहाल सड़क और बंद पड़े ब्लड बैंक को लेकर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, तहसीलदार को

पत्थलगांव(महाकोशल)। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने किलकिला मार्ग की जर्जर स्थिति और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लड बैंक की सुविधा दोबारा शुरू करने की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम पत्थलगांव तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि सावन माह में किलकिला धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को सड़क पर फैली गिट्टी और खराब रास्ते के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्रद्धालुओं को आवागमन में दिक्कत हो रही है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है। कार्यकर्ताओं ने सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।

इसके अलावा, पत्थलगांव अस्पताल में ब्लड बैंक की

सुविधा दोबारा शुरू करने की मांग भी उठाई गई। कार्यकर्ताओं का कहना है कि क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं और सिकल सेल जैसी गंभीर बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में ब्लड बैंक की सुविधा बंद रहने से मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदेश किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष अतुल त्रिपाठी ने कहा कि आम लोगों की समस्याओं का जल्द समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किलकिला मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सड़क की खराब स्थिति के कारण कम हो रही है।

वहीं, युवा कांग्रेस अध्यक्ष रमेश यादव ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और मरीजों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन को तत्काल कदम उठाने चाहिए। पार्षद जनार्दन पंकज ने भी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

इस दौरान मयंक रोहिला, डिस्को सारथी, राहुल यादव, मेघनाथ डहरिया, पुनी, पंकज लकड़ा, मणि चौहान, रोषू फोटवानी और गौतम सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनालॉग पनीर निर्माण व विक्रय प्रतिबंधित, खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने चलाया सघन जांच अभियान

भाटापारा । खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जारी हालिया प्रतिषेध आदेश के तहत राज्य में फ्रोजन डेजर्ट, प्रोसेस्ड चीज़ और मिक्स्ड फेट स्प्रेड जैसी मानकीकृत श्रेणियों को छोड़कर असली पनीर की नकल करने बाले सभी वनस्पति वसायुक्त गैर-दुग्ध एनालॉग पनीर के विनिर्माण, भंडारण, परिवहन और विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा डेयरी एवं दुग्ध संग्रहण केन्द्रों का सघन निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में बुधवार को भाटापारा के विभिन्न प्रतिष्ठानों में एनालॉग पनीर की उपलब्धता की सघन जांच की गई। निरीक्षण के

दौरान लाल बहादुर शास्त्री बार्ड, पटपर स्थित नर्मदा दूध संकलन केंद्र की भी जांच की गई, जहां परिसर में स्वच्छता संबंधी कमियां पाई गई। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के तहत प्रतिष्ठान को कड़ी चेतावनी के साथ सुधार नोटिस जारी किया गया है। होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और डेयरी संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे असली डेयरी पनीर के नाम पर उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार का कृत्रिम या एनालॉग पनीर न परोसें।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के दिशा-निर्देशानुसार, जिला खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा भाटापारा शहर में एक विशेष आई.ई.सी.गतिविधि का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय खाद्य कारोबारकर्ताओं को स्वच्छ, सुरक्षित और मानक ग्तर के खाद्य पदार्थों के विक्रय के प्रति जागरूक करना था। अभियान के दौरान साथ सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने भाटापारा शहर के विभिन्न मुख्य बाजारों, मिष्ठान भंडारों, डेयरी दुकानों, किराना स्टोर्स और होटल संचालकों से सीधा संपर्क किया। अधिकारियों ने कारोबारकर्ताओं को खाद्य गुरक्षा से संबंधित विशेष रूप से तैयार किए गए सूचनात्मक पंपलेट वितरित किए और उनका बारीकी से अध्ययन कराया।सभी विक्रेताओं को अपनी कमियों को तुरंत मुधारने की सलाह दी गई है, ऐसा न करने पर भविष्य में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आज के बिशु और सूरज कल के वेलुसामी बन सकते हैं

'गुड मॉर्निंग स्टूडेंट्स, आप सभी की तरह हर एडमिशन सीजन में हजारों स्टूडेंट्स अपने साथ किसी बैकपैक से कहीं अधिक बड़ी चीज लेकर विश्वविद्यालयों में प्रवेश करते हैं। कुछ अपने उन पैरेंट्स के सपने लाते हैं, जो कभी क्लास में गए ही नहीं। कुछ ऐसे परिवारों की उम्मीदें लाते हैं, जिनमें कभी किसी ने ग्रेजुएशन गाउन नहीं पहना।

और कई ऐसी जिम्मेदारी के साथ आते हैं, जिसे उन्होंने कभी चुना ही नहीं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही है तो मेरी बात याद रखिएगा। आप महज एक डिग्री शुरू नहीं कर रहे हैं। आप परिवार के इतिहास का एक नया चैप्टर शुरू कर रहे हैं।' इंदौर में गुरुवार सुबह मैंने अपना लेक्चर ऐसे ही शुरू किया।

जब मैंने उनसे पूछा कि आपमें से कितने ऐसे हैं, जो परिवार में पहली बार यूजी कोर्स में दाखिला ले रहे हैं तो कई ने हाथ उठा दिए। तब मैंने उन्हें एक ऐसे व्यक्ति की कहानी सुनाई, जिनका जन्म तमिलनाडु के नमक्कल जिले के एक छोटे किसान परिवार में हुआ था। इस परिवार के लिए जिंदगी जीना महत्वाकांक्षाओं से कहीं ज्यादा मायने रखता था।

उनके पिता पहली कक्षा के बाद ड्रॉप-आउट हो गए थे। मां कभी स्कूल नहीं गईं। उन्हें नोट गिनने में भी मुश्किल होती थी। घर में किताबें दुर्लभ थीं। बिजली नहीं थी। कोई मार्गदर्शक नहीं था। परिवार में कोई भी ऐसा नहीं था, जो एल्जेब्रा, फिजिक्स या करियर चॉइस के बारे में समझा सके, क्योंकि पहले उस राह पर कोई चला ही नहीं। वे बिना किसी कोचिंग और परिवार की सहायता के सरकारी स्कूल में पढ़े थे।

जब वे मद्रास (अब चेन्नई) में एंट्रेंस एग्जाम देने गए तो शिक्षकों ने उनसे कहा कि सिर्फ परीक्षा पर ध्यान देना, दूसरों के कपड़ों पर नहीं। उन्होंने वैसा ही किया और लौट आए। कुछ हफ्तों बाद एक रात जब केरोसिन लैंप बुझ गए तो उनकी मां ने कहा कि तुम्हारे लिए एक चिट्ठी आई थी, जिसे छत के नीचे बांस में खोंसकर रखा है।

उन्होंने पत्र खोला तो वह मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग का एडमिशन लेटर था। वर्षों बाद वही फर्स्ट-जनरेशन ग्रेजुएट आर. वेलुसामी ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी एंड प्रोडक्ट डेवलपमेंट के प्रेसिडेंट बने। आज वेलुसामी उन हजारों कर्मचारियों का नेतृत्व करते हैं, जो पूरे भारत में पसंद की जाने वाली गाड़ियां बनाते हैं। इनमें स्कॉर्पियो, एक्सयूवी-300, एक्सयूवी-700 और थार-रॉक्स शामिल हैं।

अब 2026 में चलते हैं। असम के तिनसुकिया जिले में बिशु लिम्बू ने केरोसिन लैंप की मद्धिम रोशनी तले नीट की तैयारी की थी, क्योंकि उनके घर में न भरोसेमंद बिजली थी, न इंटरनेट। उनके पिता छोटे किसान हैं। उनकी मां एक-एक पैसा संभालकर खर्च करती थीं। लेकिन बिशु ने यह मानने से इनकार किया कि डॉक्टर का सफेद कोट सिर्फ अमीर परिवारों के बच्चों के लिए होता है। उन्होंने नीट-2026 में 720 में से 610 अंक हासिल किए और अब मेडिकल कॉलेज में दाखिले की तैयारी कर रहे हैं।

अब राजस्थान के बूंदी जिले के कापरेन गांव में सूरज सैनी से मिलने चलते हैं। वे 12वीं तक हिंदी मीडियम स्टूडेंट रहे। छुट्टियों में परिवार की मदद के लिए वे गांव के घरों में पुताई करते थे। 12वीं तक वे नीट के बारे में जानते तक नहीं थे, क्योंकि परिवार में पहले कोई उस रास्ते पर नहीं चला था। पहले अटेम्प्ट ने उन्हें सिखाया कि सही दिशा के बिना प्रयास काफी नहीं होता। उन्हें सही गाइडेंस मिला, अथक मेहनत की और 583 अंक हासिल कर सरकारी मेडिकल कॉलेज में सीट हासिल कर ली।

वर्षों की पढ़ाई, अनुशासन और लगातार मेहनत से कल आप भी दूसरे वेलुसामी बन सकते हैं- जो प्रोडक्ट्स बनाए, कंपनियों का नेतृत्व करे, रोजगार पैदा करे और हजारों की प्रेरणा बने। हर सफल परिवार में कोई ऐसा जरूर होता है, जिसने पहला ग्रेजुएट बनने का साहस किया था।

अगर इस साल आप परिवार के पहले ग्रेजुएट बनने के लिए कॉलेज में प्रवेश ले रहे हैं, तो आपको लग सकता है कि आपका सबसे बड़ा लक्ष्य डिग्री हासिल करना है। लेकिन ऐसा नहीं है। आपका असली लक्ष्य ऐसा इंसान बनना है, जिसकी ओर देखकर आपके छोटे भाई-बहन कहें कि 'अगर वह ऐसा कर सकता है, तो मैं भी कर सकता हूं।'

फंडा यह है कि आपके एडमिशन लेटर पर सिर्फ आपका नाम होता है, लेकिन उससे बनने वाला भविष्य पूरे परिवार का होता है।

स्वस्थ राजनीति वही है जिसमें सकारात्मकता पर फोकस हो

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पास भारत के लिए एक दृष्टि जरूर हो सकती है, लेकिन वो क्या है ये स्पष्ट रूप से पता नहीं चलती। विपक्ष के नेता बनने के बाद दिए गए वक्तव्यों में उन्होंने भारत के बारे में अपनी सोच को स्पष्ट रूप से सामने नहीं रखा है। उन्होंने केवल उन बातों को दोहराया है, जो सर्वविदित हैं- बहुलतावाद, सहिष्णुता और समावेशिता।

मसलन, राहुल गांधी की आर्थिक दृष्टि क्या है? 21वीं सदी के भारत के लिए उनकी भू-राजनीतिक रूपरेखा क्या है? शिक्षा-व्यवस्था में सुधार के लिए उनके ठोस विचार क्या हैं? उनकी प्रेस वार्ताएं मुख्यत: संघ की आलोचना, उद्योगपतियों को कठघरे में खड़ा करने तथा ग्रेट निकोबार जैसी बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का विरोध करने पर केंद्रित रही हैं।

लेकिन क्या राहुल ने श्रीहरिकोटा स्थित उस अंतरिक्ष केंद्र का दौरा किया है, जहां से इसरो अपने चंद्र मिशनों को लॉन्च करता है? क्या उन्होंने दर्जनों स्पेस-टेक स्टार्टअप्स से संवाद किया है? इनमें स्काईरूट एयरोस्पेस भी शामिल है, जिसने हाल ही में 350 किलो पेलोड वाले लो-अर्थ ऑर्बिट उपग्रहों के साथ विक्रम-1 रॉकेट का सफल प्रक्षेपण कर इतिहास रच दिया।

वह पहले ही प्रयास में सफल रहा, जबकि स्पेसएक्स तक को पहले प्रक्षेपण में तीन बार विफलता का सामना करना पड़ा था। 18 जुलाई को स्काईरूट के पहले सफल प्रक्षेपण के साथ भारत निजी क्षेत्र में उपग्रह प्रक्षेपण क्षमता रखने वाला अमेरिका और चीन के बाद तीसरा देश बन गया।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी, एआई और चिकित्सा-उपकरण जैसे क्षेत्रों में हमारे युवा जो प्रगति कर रहे हैं, उसकी अनदेखी करके राहुल गांधी मूल मुद्दे से भटक रहे हैं। इनमें से कई इनोवेशन ऐसे हैं, जिनका हमारे दैनिक जीवन में उपयोग है और जिन पर गंभीर ध्यान, विमर्श और बहस की आवश्यकता है। भारत को ऐसे सशक्त विपक्षी नेता की जरूरत है, जो देश के लिए सकारात्मक दिशा प्रस्तुत कर सके, न कि जो स्वयं को केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रखे।

हाल में हुए छात्र आंदोलनों में भी राहुल ने शिक्षा-व्यवस्था में सुधारों को लेकर कोई नया सुझाव नहीं दिया। नीट परीक्षा आयोजित करने वाली एनटीए में अरसे से लम्बित सुधारों की उपेक्षा के लिए तो सरकार को ही जवाबदेह ठहराया जाएगा। छात्रों के लगातार दबाव में सरकार को नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में छह सदस्यीय टास्क फोर्स गठित करनी ही पड़ी। पर राहुल और अन्य विपक्षी नेताओं ने छात्रों के आंदोलन से राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास किया। उनमें से किसी ने भी शिक्षा-व्यवस्था में सुधारों पर चर्चा नहीं की, जहां विद्यार्थियों का मूल्यांकन उनके रचनात्मक चिंतन के आधार पर हो, केवल प्रश्नों के उत्तर याद रखने की क्षमता पर नहीं। बहुत कम नेताओं ने टास्क फोर्स को परामर्श दिया कि नीट को जेईई की तरह पूरी तरह डिजिटल बनाया जाए, क्योंकि जेईई में कभी पेपर-लीक की समस्या सामने नहीं आई है।

राहुल गांधी का सौभाग्य है कि उनके सामने ऐसी सरकार है, जो सड़क पर होने वाले आंदोलनों के दबाव में पीछे हट जाती है। 2020 में शाहीन बाग आंदोलन के दौरान कई महीनों तक सड़कें अवरुद्ध रही थीं। इसके बाद किसानों के आंदोलन में भी सरकार ने पीछे हटने और आंदोलनकारियों को संतुष्ट करने का रास्ता अपनाया।

आंदोलनकारियों को संतुष्ट करने की सरकार की नीति ने उसकी सबसे बड़ी कमजोरी को उजागर कर दिया है। विपक्ष ने भी इस कथित कमजोरी का लाभ उठाने में कोई देर नहीं की। लेकिन इसका नतीजा यह निकला है कि संसद में बहस का स्तर भी गिरा है।

इसी कारण प्रियंका गांधी ने भी अपने भाई के नक्शेकदम पर चलते हुए टास्क फोर्स के सदस्य- प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि पर गोमूत्र के औषधीय गुणों में उनके विश्वास को लेकर हमला बोला।

इसमें वास्तविक मुद्दा पीछे छूट गया- यह कि टास्क फोर्स नीट परीक्षा को पूरी तरह नकल और पेपर-लीक से सुरक्षित बनाने पर कैसे ध्यान केंद्रित करेगी? विपक्ष शासित राज्यों के साथ-साथ कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकारों के दौरान भी नीट पेपर-लीक की घटनाएं हुई थीं, लेकिन छात्र आंदोलन को सुधार के बजाय राजनीतिक मुद्दा बना दिया गया है।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी, एआई और चिकित्सा-उपकरण जैसे क्षेत्रों में हमारे युवा जो प्रगति कर रहे हैं, उसकी अनदेखी करके हम मूल मुद्दे से भटक रहे हैं। इनमें से कई इनोवेशन ऐसे हैं, जो हमारे दैनिक जीवन में उपयोगी हैं। **(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

लोकतंत्र में सत्ता आखिरकार जनता के ही हाथों में रहती है

जो लोग भारत के लोकतंत्र को महज चुनावी मुकाबलों या संस्थाओं के कमजोर पड़ने की चेतावनियों के चश्मे से ही देखने के आदी हैं, उनके लिए हाल के सप्ताहों ने एक ताजगी भरा नजारा पेश किया होगा। एक ऑनलाइन-कटाक्ष के रूप में शुरू हुआ घटनाक्रम आधुनिक भारतीय इतिहास में सबसे उल्लेखनीय और सफल युवा नेतृत्व वाले राजनीतिक आंदोलनों में से एक में बदल गया।

कॉकरोच जनता पार्टी की व्यंग्यात्मक टैगलाइन 'आलसियों और बेरोजगारों की आवाज' थी। लेकिन कुछ ही दिनों में यह सोशल मीडिया पर एक जबरदस्त ताकत के रूप में उभरी और देखते ही देखते उसने भाजपा से भी ज्यादा फॉलोअर्स जुटा लिए।

लेकिन इस मजाक की सच्चाई उन वास्तविक शिकायतों में निहित थी, जिन्हें इसने उजागर किया। विश्वविद्यालय स्नातकों में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी की समस्या होने के बावजूद युवा अभी भी उच्च शिक्षा को ही सामाजिक उन्नति की अपनी एकमात्र आशा के रूप में देखते हैं।

वे प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों बिताते हैं। लेकिन पेपर-लीक, ग्रेडिंग में अनियमितताएं और परिणामों को अचानक रद्द किए जाने से उनके स्वप्नों पर कुठाराघात हो जाता है। इस साल भी पेपर-लीक के कारण लगभग 22 लाख छात्रों को कठोर मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) फिर से देने को मजबूर होना पड़ा। जब उन्हें पता चला कि 3 मई की परीक्षा रद्द कर दी गई है, तो उनमें से कुछ छात्रों ने आत्महत्या कर ली। ऐसी त्रासदियों ने ही आर्थिक चिंताओं को व्यापक नैतिक आक्रोश में बदला था।

कॉकरोच आंदोलन इसी गुस्से की आवाज बना। इससे कोई राजनीतिक पार्टी नहीं जुड़ी थी और इसे सिविल-सोसायटी के वैचारिक रूप से विविधतापूर्ण वर्गों का समर्थन प्राप्त था। यह आंदोलन पारंपरिक राजनीतिक श्रेणीकरण को चुनौती देने वाला था। जून तक यह स्क्रीनों से निकलकर सड़कों पर आ गया। शिक्षा-व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर राजधानी और प्रमुख शहरों में हजारों की संख्या में छात्र, सिविल सेवा के उम्मीदवार और चिंतित नागरिक इकट्ठा हुए।

इस आंदोलन की विकेंद्रीकृत प्रकृति, शिक्षा सम्बंधी चिंताओं की प्रामाणिकता और संस्थागत जवाबदेही की मांगों की नैतिक स्पष्टता जाहिर थी। प्रदर्शनकारी दिल्ली के जंतर-मंतर पर इकट्ठा हुए और उन्होंने संसद तक मार्च का आह्वान किया, जो प्रदर्शन स्थल से मुश्किल से दस मिनट की पैदल दूरी पर था।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर हमले किए, कई लोगों को सड़कों पर पीटा और वॉटर कैनन व कथित रूप से पेलेट गन का भी इस्तेमाल किया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार करीब 180 लोग घायल हुए। लेकिन इसने आंदोलन को दबाने के बजाय जनाक्रोश को और बढ़ा दिया और विरोध-प्रदर्शन कई शहरों और कस्बों में फैल गया।

भारत के युवाओं ने अपने नेताओं को याद दिलाया है कि राजनीतिक प्रतिष्ठान चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो जाए, वह जनता की सामूहिक इच्छा को अनिश्चितकाल तक अनदेखा नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी दिखाया कि संस्थानों को कमजोर किया जा सकता है और राजनीतिक विपक्ष को भी दबाया जा सकता है, लेकिन उस अराजक ऊर्जा पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता, जो युवाओं के प्रोटेस्ट्स को प्रेरित करती है। लोकतंत्र केवल विधायी कक्षों, अदालतों या चुनाव आयोगों में ही निहित नहीं है। यह नागरिकों पर भी निर्भर करता है। और भारत के नागरिकों ने दिखाया है कि उनकी लोकतांत्रिक-भावना दमन से परे है।

कॉकरोच आंदोलन सत्ता-तंत्र के लिए एक अल्पकालिक राजनीतिक सिरदर्द से कहीं बढ़कर है। क्योंकि वो इस धारणा की एक बार फिर से पुष्टि करता है कि केंद्रीकरण और कार्यकारी-प्रभुत्व के अनेक वर्षों के बाद भी भारतीय लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के पास ही रहती है। और न तो भारत की जनता कहीं जाने वाली है, न ही हमारा लोकतंत्र। युवाओं के प्रोटेस्ट्स को प्रेरित करने वाली ऊर्जा पर अंकुश लगाना सरल नहीं है। लोकतंत्र केवल विधायी कक्षों, अदालतों या चुनाव आयोगों में ही निहित नहीं है। यह नागरिकों पर भी निर्भर करता है। भारत के नागरिकों ने यही दिखाया है।

(@ प्रोजेक्ट सिंडिकेट)

हथकरघा को शिक्षा, पर्यटन तथा सरकारी खरीद से जोड़ना जरूरी

भारत में हथकरघा केवल कपड़ा नहीं बुनता, वह सभ्यता, संस्कृति, आत्मनिर्भरता और आजीविका का ऐसा ताना-बाना तैयार करता है जिसकी डोर हजारों वर्षों से भारतीय समाज को जोड़ती आई है। यही कारण है कि सात अगस्त को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय हथकरघा दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि उस स्वदेशी चेतना का पुनर्स्मरण है, जिसने 1905 के बंग-भंग विरोधी आंदोलन में विदेशी कपड़ों की होली जलाकर भारतीय करघे को स्वतंत्रता संघर्ष का प्रतीक बना दिया था। इसी ऐतिहासिक विरासत के सम्मान में भारत सरकार ने 2015 से इस दिवस की शुरुआत की। पिछले कुछ वर्षों में वोकल फॉर लोकल अभियान ने भारतीय हथकरघा को नई पहचान दी है। प्रधानमंत्री से लेकर राष्ट्रपति तक सार्वजनिक मंचों पर खादी और हस्तनिर्मित वस्त्रों को अपनाते दिखाई दिए। सरकारी खरीद में स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता मिली, एक जिला एक उत्पाद, पीएम विश्वकर्मा, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम, जीआइ टैग और ई-कॉमर्स मंचों ने भी नए अवसर खोले। परिणामस्वरूप बनारसी, कांजीवरम, पटोला, पोचमपल्ली, चंदेरी, महेश्वरी, पैठणी, इकत, मिजो और नागा बुनाई जैसे अनेक उत्पाद वैश्विक फैशन उद्योग में अपनी अलग पहचान बनाने लगे।

सीमित आय से जूझ रहा असली बुनकर

विश्व स्तर पर भारत आज विश्व के सबसे बड़े हस्तनिर्मित वस्त्र उत्पादक देशों में गिना जाता है। देश में लगभग 35 लाख से अधिक लोग प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से हथकरघा उद्योग से जुड़े हैं। इनमें लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं हैं। इसलिए हथकरघा केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं, बल्कि महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण रोजगार और सामाजिक समावेशन का भी मजबूत आधार है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष उतना ही चिंताजनक है। वोकल फॉर लोकल का सबसे बड़ा लाभ अक्सर ब्रांड और व्यापारियों को मिला, जबकि असली बुनकर आज भी सीमित आय, बढ़ती लागत और अस्थिर बाजार से जूझ रहा है। किसी महानगर के शोरूम में जो साड़ी पचास हजार रुपए में बिकती है, उसे बुनने वाले कारीगर के हिस्से में कई बार उसकी दस प्रतिशत राशि भी नहीं पहुंचती। बिचौलियों की लंबी श्रृंखला, महंगा सूत, बिजली, रंगाई और परिवहन लागत ने पारंपरिक बुनकरों की आर्थिक स्थिति को कमजोर बनाए रखा है।

कोटा डोरिया ने बनाई अंतरराष्ट्रीय पहचान

दूसरी चुनौती मशीन निर्मित कपड़ों की है। पावरलूम और डिजिटल प्रिंटिंग ने हथकरघा जैसी दिखने वाली सस्ती प्रतिकृतियां बाजार में उतार दी हैं। आम ग्राहक के लिए दोनों में अंतर समझना कठिन होता जा रहा है। परिणामस्वरूप असली कारीगर नकली प्रतिस्पर्धा के सामने पिछड़ रहा है। हैंडलूम मार्क और इंडिया हैंडलूम ब्रांड जैसी व्यवस्थाएं हैं, लेकिन उनका प्रचार अभी भी सीमित है। राज्यों का अध्ययन बताता है कि जहां नीति और विपणन साथ चले, वहां उल्लेखनीय सफलता मिली। तमिलनाडु ने सहकारी समितियों के माध्यम से बुनकरों को मजबूत किया। तेलंगाना ने पोचमपल्ली इकत को वैश्विक ब्रांड बनाया। गुजरात का पटोला और कच्छ की बुनाई विदेशी बाजारों तक पहुंची। वाराणसी की बनारसी साड़ी, मध्यप्रदेश की चंदेरी और महेश्वरी, असम की मूगा रेशम, ओडिशा की सांबलपुरी और राजस्थान की कोटा डोरिया ने भी अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई। दूसरी ओर अनेक राज्यों में पारंपरिक बुनाई आज भी बाजार, डिजाइन और पूंजी के अभाव में संघर्ष कर रही है।

भारत की सबसे बड़ी कमजोरी ब्रांडिंग और मूल्य संवर्धन

भारत की सफलता ने दुनिया का ध्यान भी आकर्षित किया है। जापान ने पारंपरिक शिल्प संरक्षण की अपनी नीतियों में भारतीय मॉडल का अध्ययन किया। फ्रांस और इटली के फैशन डिजाइनरों ने भारतीय हथकरघा वस्त्रों को लग्जरी फैशन का हिस्सा बनाया। अमरीका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जैसे देशों में टिकाऊ (सस्टेनेबल) फैशन की बढ़ती मांग ने भारतीय हस्तनिर्मित कपड़ों के लिए नया बाजार तैयार किया। संयुक्त राष्ट्र और यूनेस्को जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच भी पारंपरिक हस्तशिल्प और टिकाऊ उत्पादन प्रणालियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिनमें भारत का हथकरघा एक उल्लेखनीय उदाहरण माना जाता है। फिर भी भारत की सबसे बड़ी कमजोरी ब्रांडिंग और मूल्य संवर्धन है। चीन मशीन से बने वस्त्रों के बड़े निर्यातक के रूप में बाजार पर छाया हुआ है, जबकि भारत गुणवत्ता और परंपरा होने के बावजूद पर्याप्त वैश्विक हिस्सेदारी हासिल नहीं कर पाया। इसका कारण उत्पादन नहीं, बल्कि विपणन, डिजाइन नवाचार, पैकेजिंग और निर्यात रणनीति की कमी है।

रिश्तेदारी को मैत्री में बदलना कृष्ण और अर्जुन से सीखें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

जीवन में अनेक रिश्ते हमें जन्म से मिलते हैं, लेकिन मित्रता ऐसा संबंध है जिसे हम स्वयं चुनते हैं। सच्चा मित्र केवल सुख-दुख का साथी नहीं होता, बल्कि वह जीवन की दिशा तय करने वाला मार्गदर्शक भी बन सकता है। आज के समय में लोगों के परिचित तो बहुत हैं, लेकिन सच्चे मित्र बहुत कम मिलते हैं। मित्रता केवल साथ घूमने-फिरने या बातचीत करने का नाम नहीं, बल्कि विश्वास, समानता, संस्कार, संयम और आत्मीयता का संबंध है।

यदि जीवन में अच्छे मित्रों की कमी महसूस होती है, तो सबसे पहले अपने पारिवारिक रिश्तों में मित्रता खोजने का प्रयास करना चाहिए। परिवार के वे लोग, जिन्हें हम वर्षों से जानते हैं, यदि मित्र बन जाएं तो जीवन अधिक सहज और आनंदमय हो जाता है। रिश्तेदारी में जब विश्वास, खुलापन और सम्मान जुड़ जाता है, तब वह मित्रता का रूप ले लेती है। ऐसे संबंध अधिक स्थायी और मजबूत होते हैं क्योंकि उनकी नींव पहले से ही अपनत्व पर टिकी होती है। महाभारत में भगवान कृष्ण और अर्जुन इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं। दोनों रिश्ते में साले-बहनोई थे, लेकिन उन्होंने अपने रिश्ते को केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने उसे ऐसी गहरी मित्रता में बदल दिया, जो आज भी आदर्श मानी जाती है। दोनों के बीच इतना विश्वास था कि अर्जुन हर परिस्थिति में कृष्ण पर निर्भर रहते थे। वहीं कृष्ण भी केवल मित्र की भूमिका तक सीमित नहीं रहे, बल्कि जब आवश्यकता पड़ी तो उन्होंने गुरु बनकर अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का अमर ज्ञान दिया।

सच्ची मित्रता की सबसे बड़ी पहचान यही है कि उसमें अहंकार नहीं होता। मित्र कभी केवल सलाह देने वाला नहीं होता, बल्कि समय आने पर सीखने वाला भी बन जाता है। जहां आवश्यकता होती है, वहां वह गुरु की तरह सही मार्ग दिखाता है और जहां स्वयं सीखने की जरूरत होती है, वहां विनम्र शिष्य भी बन जाता है। यही मित्रता की सबसे बड़ी खूबी है।

आज के दौर में कई रिश्ते केवल औपचारिकता तक सीमित हो गए हैं। यदि उनमें संवाद, विश्वास और आत्मीयता का भाव जोड़ा जाए तो वे मजबूत मित्रता में बदल सकते हैं। परिवार के भाई-बहन, चचेरे-ममेरे रिश्तेदार, जीवनसाथी या अन्य परिजन भी हमारे सबसे अच्छे मित्र बन सकते हैं। ऐसे संबंध जीवन की कठिनाइयों को हल्का कर देते हैं और हर परिस्थिति में मानसिक संबल प्रदान करते हैं। मित्रता कभी स्वार्थ पर आधारित नहीं होती। मित्र ताश के पत्तों की तरह नहीं होते कि समय आने पर उन्हें बदल दिया जाए। वे तो किसी ग्रंथ के पन्नों की तरह होते हैं, जिन्हें जब भी खोलिए, जीवन के लिए कोई न कोई नई सीख, प्रेरणा और समाधान अवश्य मिलता है।

सब्र किया मैंने

"ज़हर पिया मैंने..
कुछ भी न कहां मैंने..
क्या-क्या न सहा मैंने..
बस सब्र किया मैंने..!"
कविता"आत्मा"

— Kavita Sharma Kaushik

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

मंथरा से कैकेईजी ने कहा कि विवाह में तो मेरे पिताजी ने वचन ले लिया था कि मुझसे जो पुत्र होगा उसी को राज्य मिलेगा तो मैं महाराज को विवाह के वचन की याद दिला दूंगी। तो मंथरा ने कहा कि मूर्खता मत करना। विवाह की बात तो याद दिलाना ही मत। कैकेई ने कहा कि विवाह की बात याद दिलाने में हानि क्या है तो मंथरा ने कहा कि अगर आप यह याद दिलाएंगी कि भरत को राज्य मिले तब तो आनंद आधा ही रह जाएगा क्योंकि पूरा आनंद तो तब मिलेगा जब अपने बेटे को सुख दो और सौत के बेटे को कष्ट दो। इसलिए वे दो वरदान मांगना जो तुमने महाराज दशरथ की युद्ध-क्षेत्र में सहायता करने के पुरस्कार स्वरूप प्राप्त किया है। इसका अभिप्राय है कि लोभी अगर इतना ही वरदान मांगे कि मुझे लाभ हो तो वह तो ठीक है, पर जब वह यह मांगे कि दूसरे की हानि भी हो, दूसरे दुख में पड़ें, बस यही अनर्थकारी है। यदि कोई अपने बेटे की उन्नति चाहे तो उसे अस्वाभाविक नहीं कहा जा सकता है, पर दूसरे के बेटे की अवनति चाहे तो अनर्थ की बात है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

जोमैटो से मंगवाई शाही मिल्क-केक से निकले कॉकरोचःकस्टम केयर से नहीं मिला जवाब, शॉप ओनर बोले-हमारी ओर से नहीं हुई गलती

रायपुर। रायपुर में जोमैटो से मंगवाई गई मिठाई में कॉकरोच निकलने का मामला सामने आया है । शिकायतकर्ता शिवांकर ने आधा किलो शाही मिल्क केक ऑर्डर किया था। मिठाई के डब्बे के भीतर कुछ पीस में मरे हुए कॉकरोच मिले है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने जोमैटो कस्टमर केयर से संपर्क किया, लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। मिठाई रायपुर के नेताजी होटल से मंगवाई गई थी। बाद में उन्होंने जब मिठाई दुकान में संपर्क किया तो वहां भी पहले कॉल में कोई संतोष जनक जवाब नहीं मिला। हालांकि इस मामले में शॉप ओनर का कहना है कि हमारी ओर से कोई गलती नहीं हुई है।

हाइजीन और कस्टमर सैटिस्फैक्शन हमारी प्राथमिकता

नेताजी होटल के संचालक ने दैनिक भास्कर से बातचीत में बताया कि जिस समय मिठाई का

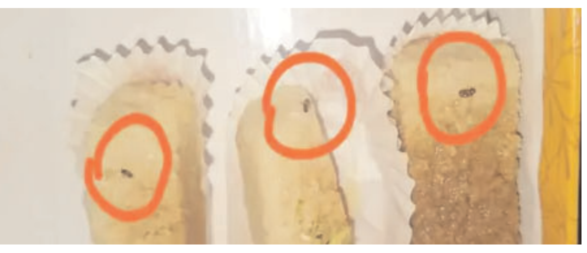

ऑर्डर आया ,उस समय वे दुकान पर मौजूद नहीं थे। परिवार के सदस्य की तबीयत खराब होने के कारण वे अस्पताल में थे। दुकान का पूरा संचालन उस दौरान स्टाफ संभाल रहा था।

हमारे शॉप में साफ-सफाई ,हाइजीन और ग्राहकों की संतुष्टि का विशेष ध्यान रखा जाता है। उन्होंने कहा कि मिठाई में किसी भी तरह की अनावश्यक या आपत्तिजनक चीज का होना सामान्य परिस्थितियों में संभव नहीं है। फिर भी अगर ऐसी कोई शिकायत है तो मैं व्यक्तिगत रूप से पूरे मामले की जांच कराऊंगा।

शॉप संचालक ने कहा कि यदि जांच में स्टाफ का कोई कर्मचारी लापरवाही या गलती का दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी जांच कराई जाएगी कि कहीं डिलीवरी के दौरान तो किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हुई।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि शिकायतकर्ता के साथ स्टाफ ने गलत व्यवहार किया है, तो उस पर भी उचित कार्रवाई की जाएगी।

शिकायतकर्ता ने कहा, पूरे मामले में सवाल खड़े हो रहे हैं कि यदि पैक की गई मिठाई में कीड़े मिले हैं, तो सवाल सिर्फ एक ऑर्डर का नहीं है। यह भी जांच का विषय है कि मिठाई किस तरह तैयार और स्टोर की जा रही है?

क्या किचन और स्टोरेज में साफ-सफाई के मानकों का पालन हो रहा है? क्या खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन किया जा रहा है?

किराए
पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।

संपर्क-9302222222

अनुकंपा नियुक्ति में 10% सीलिंग खत्म करने की मांग, मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने अनुकंपा नियुक्ति और स्थानांतरण नीति में बदलाव के लिए गुरुवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को ज्ञापन सौंपा। इसमें तृतीय श्रेणी के पदों पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए लागू 10% सीलिंग समाप्त करने और स्थानांतरण पर लगे प्रतिबंध हटाकर नई नीति लाने की मांग की है। फेडरेशन के प्रदेश संयोजक कमल वर्मा ने कहा कि 23 फरवरी 2019 के सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के कारण तृतीय श्रेणी के पदों पर अनुकंपा नियुक्ति सीमित हो गई है। इससे दिवंगत कर्मचारियों के कई पात्र और उच्च शिक्षित आश्रित वर्षों से नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं, जबकि चतुर्थ श्रेणी के पदों पर ऐसी कोई सीमा नहीं है। ज्ञापन में नई स्थानांतरण नीति में पति-प7ी के पारस्परिक स्थानांतरण, मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों को पूर्ववत छूट का प्रावधान शामिल करने की भी मांग की गई है।

गाड़ी लेकर स्कूल जाने वाले नाबालिगों पर एक्शन

59 गाड़ियां जब्त, पुलिस ने की पेरेंट्स की काउंसलिंग; दोबारा वाहन देने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

रायपुर। रायपुर यातायात पुलिस ने स्कूल जाने के लिए दोपहिया और अन्य वाहन लेकर पहुंचने वाले नाबालिग छात्रों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। गुरुवार (6 अगस्त) को शहर के 9 प्रमुख स्कूलों के बाहर विशेष जांच अभियान में 59 नाबालिग वाहन चालक पकड़े गए।

सभी वाहनों को जब्त कर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इसके अलावा नियमों का उल्लंघन करने पर तीन स्कूल वैन और एक स्कूल ऑटो के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। इस तरह कुल 63 वाहनों पर वैधानिक कार्रवाई की गई।

इन स्कूलों के बाहर चला विशेष अभियान

यातायात पुलिस उप महानिरीक्षक (डीसीपी) डॉ. अर्चना झा के निर्देशन में रेयान स्कूल (अवंती विहार), द्रोणाचार्य स्कूल (राजेंद्र नगर), ब्रह्मविद स्कूल (भाटागांव), केपीएस स्कूल (सरोना), केंद्रीय विद्यालय (डब्ल्यूआरएस कॉलोनी), विंध्य

पब्लिक स्कूल (गुढ़ियारी), एमजीएम स्कूल (गायत्री नगर), देशबंधु स्कूल (गुरु नानक चौक) और होली हार्ट स्कूल (सिविल लाइन) के बाहर सघन जांच की गई।

पेरेंट्स की हुई काउंसलिंग

कार्रवाई के बाद सभी नाबालिग वाहन चालकों के अभिभावकों को यातायात सभागार बुलाकर काउंसलिंग की गई। एसीपी ट्रैफिक स्नेहिल साहू और सीमा अहिरवार ने बताया कि नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने देना कानून का उल्लंघन है।

पेरेंट्स को भविष्य में बच्चों को वाहन न देने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने की समझाइश दी गई। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि दोबारा नाबालिग वाहन चलाते पाए जाने पर मोटरयान अधिनियम की धारा 199(ए) के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर में कार्रवाई

59 नाबालिग वाहन चालक पकड़े गए

03 स्कूल वैन और 01 स्कूल ऑटो पर कार्रवाई

63 वाहनों के खिलाफ गुरुवार को कार्रवाई

340 वाहनों पर अब तक एक्शन

269 नाबालिग वाहन चालक और 71 स्कूल ऑटो पर कार्रवाई

दोबारा पकड़े जाने पर धारा 199(ए) के तहत होगी सख्त वैधानिक कार्रवाई

लगातार जारी रहेगा अभियान

यातायात पुलिस के अनुसार स्कूलों के बाहर चल रहे इस विशेष अभियान के तहत अब तक 340 वाहनों पर कार्रवाई की जा चुकी है। इनमें 269 नाबालिग वाहन चालक और 71 स्कूल ऑटो शामिल हैं।

पुलिस ने सभी पेरेंट्स से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में नाबालिग बच्चों को दोपहिया या अन्य मोटर वाहन चलाने की अनुमति न दें।

एप से होगी बुकिंग; 15 अगस्त को होगा शुभारंभः

छत्तीसगढ़ में पहली बार 10 किलो वाला सिलेंडर, कीमत 730 रुपए तक

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ऐसा पहली बार होगा जब लोगों को 10 किलो वाला बेहद हल्का सिलेंडर ऑन डिमांड मिलेगा। यानी पेट्रोलियम कंपनियों के एप में ऑनलाइन बुकिंग करने के बाद केवल 4 घंटे में सिलेंडर घर भेज दिया जाएगा। आम सिलेंडरों की तुलना में ये बेहद हल्का है। इसे आसानी से कहीं भी ले जाया जा सकता है। इतना ही नहीं सिलेंडर पारदर्शी है। इसमें दिखाई देता है कि अंदर कितनी गैस बाकी है।

15 अगस्त से यह नई सुविधा सबसे पहले रायपुर में शुरू की जाएगी। इसके बाद राज्य के सभी जिलों में इसे लागू किया जाएगा। नया गैस सिलेंडर बुकिंग कराने के लिए लोगों को करीब 3000 रुपए देने होंगे। इसके अलावा 250 रुपए रेगुलेटर के लिए जाएंगे। सिलेंडर की रकम रिफंडेबल होगी। यानी जब कनेक्शन कैंसिल कराएंगे उस समय रकम वापस कर दी जाएगी। एक तरह से ये रकम सिलेंडर के बदले अमानत के तौर पर रखी जाएगी। रायपुर में एक रिफिल की कीमत 715 से 730 रुपए तक होगी।

सबके लिए रहेगा उपलब्ध

जिले में जिन लोगों के पास पहले से घरेलू सिलेंडर है वो भी इसे ले सकते हैं। यानी ये सिलेंडर अमानत राशि देकर कोई भी ले सकता है। नया सिलेंडर लेने के लिए केवल आधार कार्ड, नया फॉर्म और एक शपथ पत्र देना होगा। इमरजेंसी में यह सिलेंडर बेहद काम आएगा। इसके अलावा अकेले रहने वालों या कहीं बाहर पिकनिक जाने वालों के लिए भी सिलेंडर बेहद काम का है। आसानी से इसकी उपलब्धता होने की वजह से इसे कोई भी ले सकता है। कंपनी वालों का मानना है कि इससे आपातकालीन स्थिति में भी सिलेंडरों की जरूरत खत्म होगी।

बीपीसीएल की ओर से 15 अगस्त से सभी एजेंसियों में 10 किलो वाला सिलेंडर मिलने लगेगा। केवल एक बार कनेक्शन के लिए रकम डिपॉजिट कराई जाएगी। इसके बाद केवल रिफिल कराने का पैसा लगेगा। बुकिंग के चार घंटे में सिलेंडर घर पहुंचाकर देंगे। - **मुरारी गौर, प्रदेशाध्यक्ष बीपीसीएल डिस्ट्रीब्यूटर संघ**

16 वार्डों में 24 घंटे देंगे पानीः अब कनेक्शन का बिल मीटर या सालाना औसत खपत से ही बनेगा

रायपुर। स्मार्ट सिटी के तहत एरिया बेस्ड डेवलपमेंट (एबीडी) क्षेत्र के 16 वार्डों में 24 घंटे पानी की आपूर्ति के लिए नई पाइपलाइन बिछाई गई है। इन वार्डों में किसी भी घर का पानी का बिल जनरेट नहीं हुआ है। वॉटर मीटर को लेकर विवाद के बाद निगम ने बिलिंग का नया फार्मूला तय किया है।

निगम के अनुसार, जिन घरों में नए नल कनेक्शन दिए गए हैं, वहां दो विकल्पों से बिल बनाया जाएगा। पहला, वॉटर मीटर के आधार पर, जिसमें जितनी पानी की खपत होगी, उसी के अनुसार बिल जनरेट होगा। दूसरा, घर की औसत पानी खपत के आधार पर मासिक औसत निकालकर 12 महीने का बिल तय किया जाएगा। यदि किसी उपभोक्ता को मीटर आधारित बिल पर आपत्ति होगी तो वह सालाना औसत खपत के आधार पर भुगतान कर सकेगा।

स्मार्ट सिटी योजना के तहत अब तक करीब 27 हजार घरों में नए नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। नई पाइपलाइन से सुबह और शाम दो-दो घंटे पानी की आपूर्ति की जा रही है। 16 वार्डों में अभी 24 घंटे जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। इसकी वजह पर्याप्त पानी का भंडारण नहीं होना है।

नकटी गांव प्रभावितों से मिले छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना प्रमुखः बोले-77 परिवारों को न्याय दिलाने लड़ेंगे कानूनी लड़ाई

रायपुर। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के प्रमुख डॉ. अजय यादव जेल से रिहा होने के बाद सीधे रायपुर जिले के नकटी (सम्मानपुर) गांव पहुंचे। यहां उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। वहीं टूटे मकानों का निरीक्षण किया और ग्रामीणों के साथ बैठक की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि संगठन प्रभावित 77 परिवारों को न्याय दिलाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेगा और जरूरत पड़ने पर अदालत का दरवाजा भी खटखटाएगा। डॉ. यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी शुरुआत से

ही सम्मानपुर के ग्रामीणों के साथ खड़ी रही है।

यादव ने कहा कि जब तक संगठन का नेतृत्व आंदोलन में सक्रिय था, तब तक मकानों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। लेकिन उनके और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अध्यक्ष अमित बघेल के जेल जाने के बाद प्रशासन ने 77 परिवारों के मकानों को अवैध बताकर तोड़ दिया। बैठक में संगठन ने दावा किया कि पूरे मामले पर एक विस्तृत कानूनी रिपोर्ट तैयार की गई है। इसमें राजस्व रिकॉर्ड, ग्राम सभा के प्रस्ताव, शासन के दिशा-निर्देश और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का अध्ययन किया गया है। संगठन का कहना है कि यदि ग्राम सभा के अधिकारों की अनदेखी हुई है या कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना कार्रवाई की गई है, तो इसकी न्यायिक समीक्षा होनी चाहिए।

कानूनी सहायता देने का ऐलान

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना ने कहा कि प्रभावित परिवारों को निःशुल्क कानूनी सहायता दी जाएगी। संगठन जरूरत पड़ने पर न्यायालय में याचिका दायर करेगा और कोर्ट की कार्रवाई का खर्च भी उठाएगा। साथ ही ध्वस्तीकरण से जुड़े आदेश, नोटिस और राजस्व रिकॉर्ड की वैधानिक जांच कराने की भी मांग करेगा।

धर्म बदलने 90 दिन पहले कलेक्टर को देनी होगी जानकारी, 'घर वापसी' 15 दिन में होगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धर्म परिवर्तन अब तय प्रक्रिया के तहत ही हो सकेगा। नए नियम के तहत 90 दिन पहले धर्म बदलने की जानकारी और कलेक्टर को लिखित घोषणा देनी होगी। वहीं मूल धर्म में वापसी यानी घर वापसी के लिए प्रक्रिया 15 दिन में पूरी करने की व्यवस्था है। इसमें तीसरे पक्ष की सहमति जरूरी नहीं होगी। हर धर्मांतरण का ऑनलाइन रिकॉर्ड रखा जाएगा। जनजातीय क्षेत्रों में ग्राम सभा की राय को भी महत्व दिया गया है। विवाह के लिए धर्म परिवर्तन के प्रावधान भी तय किए गए हैं। छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंर्त्य नियम-2026 के नियम तय कर दिए हैं।

इसके अनुसार यदि कोई व्यक्ति अपना धर्म बदलना चाहता है, तो उसे धर्मांतरण की संभावित तिथि से कम से कम 90 दिन पहले कलेक्टर को निर्धारित प्रक्रिया में लिखित घोषणा पत्र देना होगा। प्रशासन इस घोषणा के आधार पर मामले की जांच और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करेगा। वहीं दूसरी ओर मूल धर्म में वापसी की राह आसान है। जो व्यक्ति अपने मूल या पैतृक धर्म में वापस लौटना चाहता है, उसके लिए व्यक्ति को पूरी जानकारी देनी होगी, यह सूचना मिलने के बाद 15 दिनों के भीतर जांच पूरी की जाएगी।

बिना सूचना धर्म बदलकर शादी अपराध

अंतर-धार्मिक विवाह के माध्यम से या विवाह के उद्देश्य से किए जाने वाले धर्म परिवर्तन को लेकर भी कड़े प्रावधान किए गए हैं। यदि भिन्न धर्मों के व्यक्ति विवाह का प्रस्ताव रखते हैं और उसमें धर्मांतरण शामिल है, तो प्रस्तावित विवाह से कम से कम 60 दिन पहले जिला कलेक्टर को जानकारी देनी होगी। प्रशासन इस सूचना को ऑनलाइन पोर्टल व नोटिस बोर्ड पर जारी करेगा। इस पर 30 दिनों के भीतर आपत्तियां दर्ज कराई जा सकती हैं।

ग्राम सभाओं की भूमिका अहम होगी

बस्तर और सरगुजा संभाग में धर्मांतरण से जुड़े मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन अब नए नियम के तहत अब इन पर भी शिकंजा कसेगा। इन क्षेत्रों में धर्मांतरण से जुड़ी आपत्तियों और जांच प्रक्रिया में ग्राम सभाओं की राय अहम होगी।

एम ज़ी एम हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्रसंघ पदभार एवं शपथ ग्रहण समारोह, पौधारोपण का आयोजन

रायपुर। एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल, गायत्री नगर में छात्र नेतृत्व, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छात्रसंघ पदभार ग्रहण एवं शपथ समारोह के साथ पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों तथा अतिथियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जो ज्ञान, प्रकाश और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। इसके बाद मुख्य अतिथि डॉ. अर्चना झा (डीसीपी, ट्रैफिक पुलिस, रायपुर), विशिष्ट अतिथि सीमा अहिरवार (एसीपी, ट्रैफिक पुलिस, रायपुर), विद्यालय प्रबंधन के उपाध्यक्ष फादर जोस मैथ्यू तथा अन्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। विद्यालय की प्राचार्य डॉ. लीना आर. जैकब ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

विद्यालय के गायक दल ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर वातावरण को मधुर बनाया। इसके बाद प्राथमिक वर्ग के विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी उपस्थित लोगों ने जमकर सराहना की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्रसंघ पदभार ग्रहण एवं शपथ समारोह रहा। इस दौरान नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को बैज और सैश पहनाकर औपचारिक रूप से दायित्व सौंपे गए। सभी छात्र प्रतिनिधियों ने ईमानदारी, अनुशासन, नेतृत्व और समर्पण के साथ विद्यालय की गरिमा बनाए रखने तथा अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की शपथ ली।

विद्यालय प्रबंधन के उपाध्यक्ष फादर जोस मैथ्यू ने अपने संबोधन में छात्र प्रतिनिधियों को नेतृत्व के गुण विकसित करने, जिम्मेदारी के साथ कार्य करने तथा विद्यालय की श्रेष्ठ परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि डॉ. अर्चना झा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नेतृत्व केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि दूसरों के लिए प्रेरणा बनना और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना है। उन्होंने अनुशासन, टीम वर्क, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि सीमा अहिरवार ने भी विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर डॉ. अर्चना झा और सीमा अहिरवार ने सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर विशेष जागरूकता सत्र लिया।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
Call 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके लिए व्यस्तता के साथ-साथ नई उपलब्धियों का संकेत लेकर आया है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है, जिससे आपकी क्षमता और नेतृत्व कौशल की परीक्षा होगी। हालांकि काम का दबाव अधिक रहेगा, लेकिन सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से सभी कार्य समय पर पूरे हो जाएंगे।

वृषभ। आज आर्थिक मामलों में आपको राहत मिलने के संकेत हैं। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिल सकता है और व्यापार में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। यदि किसी नए कार्य की शुरुआत करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल या मनोरंजक यात्रा की योजना बन सकती है, जिससे रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी।

मिथुन। आज आपको अपनी वाणी पर विशेष संयम रखने की आवश्यकता है। सोच-समझकर बोले गए शब्द रिश्तों को मजबूत बनाएंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी छवि बेहतर होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को किसी बड़े निवेश से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

कर्क। आज मन कुछ अशांत रह सकता है, इसलिए किसी भी निर्णय में जल्दबाजी करने से बचें। पारिवारिक मामलों में धैर्य और समझदारी से काम लेना आपके लिए लाभदायक रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों से प्रशंसा और नई जिम्मेदारियां मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचना बेहतर होगा।

सिंह। आज आपका आत्मविश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत व प्रतिभा की खुलकर सराहना होगी। वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य से प्रभावित रहेंगे, जिससे नई जिम्मेदारियां या पदोन्नति के अवसर भी मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा तथा जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

कन्या। आज खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए बजट बनाकर चलना आपके लिए लाभदायक रहेगा। विरोधियों से सतर्क रहें और किसी भी विवाद में पड़ने से बचें। लेन-देन के मामलों में पूरी सावधानी बरतें तथा बिना सोचे-समझे किसी पर भरोसा न करें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन योग, व्यायाम और नियमित दिनचर्या बनाए रखना आवश्यक होगा।

तुला। आज मित्रों और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके कई महत्वपूर्ण कार्य आसानी से पूरे हो सकते हैं। साझेदारी के कार्यों में लाभ मिलने के प्रबल योग हैं और व्यापार से जुड़े लोगों को अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा तथा आय में वृद्धि के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली की सराहना होगी और अधिकारी भी आपके प्रयासों से संतुष्ट रहेंगे।

वृश्चिक। आज कार्यस्थल पर कार्यभार बढ़ सकता है, लेकिन आपकी मेहनत और लगन आपको सफलता दिलाएगी। गुप्त शत्रुओं से सतर्क रहें और अपनी योजनाओं को हर किसी के साथ साझा करने से बचें। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें तथा अनावश्यक यात्रा से बचें। निवेश के मामलों में फिलहाल धैर्य रखना बेहतर रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य बनी रहेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी का साथ मनोबल बढ़ाएगा।

धनु। आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा और लंबे समय से अटके हुए कार्यों में तेजी आएगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का उचित सम्मान मिलेगा और नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। उच्च शिक्षा से जुड़े छात्रों को कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है। यात्रा के योग बन रहे हैं, जो भविष्य में लाभदायक साबित हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय के नए अवसर प्राप्त होंगे। परिवार के साथ समय बिताने से रिश्तों में मधुरता आएगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मकर। आज कानूनी मामलों में राहत मिलने के संकेत हैं और यदि कोई पुराना विवाद चल रहा है तो उसका समाधान निकल सकता है। पैतृक संपत्ति से लाभ होने की संभावना है। व्यापारिक यात्रा सफल रहेगी और नए संपर्क भविष्य में लाभ देंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और अनुशासन की सराहना होगी। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा और परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन अधिक काम के कारण थकान महसूस हो सकती है।

कुंभ। आज व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे और आर्थिक स्थिति पहले से अधिक सुदृढ़ होगी। यदि किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। भावनाओं में बहकर कोई भी बड़ा निर्णय लेने से बचें, क्योंकि सोच-समझकर लिया गया फैसला ही भविष्य में लाभ देगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली की सराहना होगी और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। परिवार में शांति और सौहार्द बनाए रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या अपनाना आवश्यक होगा।

मीन। आज आपका झुकाव आध्यात्म और धार्मिक कार्यों की ओर अधिक रहेगा, जिससे मानसिक शांति और आत्मविश्वास दोनों बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां आपके अनुकूल रहेंगी और सहकर्मियों के साथ बेहतर तालमेल से कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी तथा आय के नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार में खुशियों का वातावरण रहेगा और जीवनसाथी का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा। स्वास्थ्य में पहले की तुलना में सुधार देखने को मिलेगा, फिर भी नियमित व्यायाम और संतुलित भोजन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। विद्यार्थियों के लिए दिन पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अनुकूल रहेगा।

JPSC के खिलाफ छात्रों के आंदोलन का 14वां दिनः

सरकार सिर्फ स्टूडेंट्स से बातचीत को तैयारः छात्र, पत्रकार-वकील को शामिल करने पर अड़े

रांची। जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षा में धांधली के खिलाफ छात्रों का आंदोलन शुक्रवार को 14 दिन भी जारी है। सरकार की ओर से वार्ता के लिए पांच छात्रों के नाम मांगे गए थे। छात्रों की ओर से गुरुवार को 11 सदस्य प्रतिनिधिमंडल के नाम एसडीओ को भेजा गया।

इस पर विवाद हो गया। दिनभर छात्र वार्ता के आमंत्रण का इंतजार करते रहे पर सरकार की ओर से बुलावा नहीं आया। रात करीब 10:45 एसडीओ और एसडीम लॉ एंड ऑर्डर छात्रों के पास पहुंचे। अधिकारियों ने साफ कर दिया कि सरकार सिर्फ छात्रों से बात करना चाहती है, लेकिन छात्र अपनी 11 सदस्य पुरानी सूची पर अड़े रहे।

इसमें दो पत्रकार और एक पूर्व महाधिवक्ता है। करीब 45 मिनट तक चली बैठक आखिरकार बेनतीजा रही और अधिकारी वापस लौट गए। शुक्रवार को एक बार फिर इस गतिरोध को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। संभव है कि कुछ शर्तों पर बात बन जाए।

आईसा सहित विभिन्न संगठनों की ओर से 7 अगस्त को विधानसभा मार्च किया जाएगा। शुक्रवार दोपहर 1 बजे छात्र बिरसा चौक से विधानसभा तक जाएंगे। इस दौरान दिल्ली के जंतर मंतर पर चले आंदोलन का प्रमुख चेहरा रही आईसा की अध्यक्ष नेहा बोरा भी शामिल होंगी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार रात अनशन पर बैठे छात्र नेता रविंद्र पासवान से फोन पर बात की। उन्होंने आंदोलन को समर्थन देने की बात की। इससे पहले उन्होंने वीडियो संदेश जारी कर लोगों से छात्रों का सपोर्ट करने की अपील की है।

उन्होंने कहा देश में जो स्टूडेंट प्रोटेस्ट हो रहे हैं, वह एजुकेशन सिस्टम के खिलाफ हो रहे हैं। हमारा एजुकेशन सिस्टम कोलेप्स हो गया है। हर सरकार को छात्रों की बात सुनाई चाहिए और एजुकेशन सिस्टम को बदलना चाहिए। चाहे वह कांग्रेस की सरकार हो या झारखंड सरकार हो।

मास्टरमाइंड से लगातार 10 दिनों तक पूछताछ

इधर, जेपीएससी परीक्षा में हुई गंभीर और अनियमितताा की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है। सीआईडी के सामने फर्जीवाड़े के बड़े सिंडिकेट की परतें खुलती जा रही है। मामले में सीआईडी अब तक 19 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जांच के दौरान मास्टरमाइंड अभय तिवारी से लगातार 10 दिनों तक पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने कई अहम खुलासे किए हैं।

सूत्रों के अनुसार, अभय तिवारी ने बताया कि परीक्षा में सफलता दिलाने के नाम पर प्रत्येक अभ्यर्थी से 40 से 60 लाख रुपए तक की डील होती थी। इस रकम में ऊपर से नीचे तक जुड़े लोगों का हिस्सा पहले से तय रहता था।

छात्रों की यह है प्रमुख मांगें

पीटी-मेंस का कट ऑफ जारी हो। अंतिम रिजल्ट में ओरिजिनल व नॉर्मलाइज्ड मार्क्स का स्कोर कार्ड दिया जाए। पूरी प्रक्रिया सार्वजनिक हो। पीटी की ओएमआर, मेंस की कॉपियां ऑनलाइन उपलब्ध हो।

जेपीएससी और जेएसएससी में राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों या उनके रिश्तेदारों को अध्यक्ष सदस्य ना बनाएं।

पेपर लीक, परीक्षा घोटालों और अनियमितताओं के मामलों के त्वरित एवं पारदर्शी जांच हो। फास्ट ट्रैक कोर्ट से 90 दिन में मामलों का निपटारा किया जाए।

उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में मृत अभ्यर्थियों के परिजनों को एक करोड़ रुपए की सहायता दी जाए।

जेपीएससी और जेएसएससी में अभ्यर्थियों के लिए तत्काल हेल्प डेस्क बनाया जाए। सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक की जाए।

जेएसएससी की सभी भारतीयों का परीक्षा कैलेंडर जारी हो।

पुलिस-सीआरपीएफ की कार्रवाईःतीन इनामी नक्सलियों की गिरफ्तारी के बाद अब 1 करोड़ के असीम मंडल पर नजर

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई ने माओवादी संगठन को बड़ा झटका दिया है। 22 लाख रुपए के तीन इनामी हार्डकोर नक्सलियों की गिरफ्तारी के बाद अब सुरक्षा एजेंसियों का फोकस एक करोड़ के इनामी शीर्ष माओवादी असीम मंडल उर्फ आकाश पर है। पुलिस का मानना है कि पूछताछ से उसके नेटवर्क, हथियारों के ठिकानों और लेवी तंत्र तक पहुंचने में अहम सुराग मिल सकते हैं।

संयुक्त अभियान में 15 लाख के इनामी मदन महतो उर्फ शंकर, पांच लाख के इनामी बीरेन सिंह उर्फ सागर उर्फ रवि सरदार और दो लाख की इनामी मीना पहाड़िया उर्फ मौरा उर्फ नीपू को गिरफ्तार किया गया। इनके पास और निशानदेही पर एके-47, इंसास राइफल, 9 एमएम पिस्टल, 403 जिंदा कारतूस, कोडेक्स वायर, वॉकी-टॉकी और पल्सर बाइक समेत अन्य सामान बरामद हुआ।

सरायकेला...15 लाख का इनामी मदन कई हमलों में रहा है आरोपी, बीरेन रणनीतिकार, मीना के पास विस्फोटक नेटवर्क

पांच लाख के इनामी बीरेन सिंह के खिलाफ 43 मामले दर्ज हैं। वह नक्सली दस्तों की रणनीति बनाने और नए कैडर तैयार करने में सक्रिय था। उसका नाम कुकड़ू बाजार हमले और अन्य बड़ी घटनाओं में भी सामने आया है। वहीं दो लाख की इनामी मीना पहाड़िया के खिलाफ 18 मामले दर्ज हैं। वह आईईडी और लैंडमाइन लगाने, विस्फोटकों की आपूर्ति तथा संगठन की रसद व्यवस्था संभालती थी।एसपी मनोज स्वर्गियारी ने बताया कि 15 लाख का इनामी मदन महतो करीब 25 वर्षों से माओवादी संगठन में सक्रिय था।

उसके खिलाफ झारखंड और पश्चिम बंगाल में 41 मामले दर्ज हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार वह 62 पुलिस और सुरक्षा बल के जवानों की हत्या से जुड़े मामलों में आरोपी रहा है। उसका नाम शिलदा ईएफआर कैंप हमला, काकड़ाझोर लैंडमाइन विस्फोट, बुरुडीह डैम आईईडी ब्लास्ट, सांसद सुनील महतो हत्याकांड और टोंटो के तुम्बाहाका जंगल विस्फोट जैसी बड़ी घटनाओं में सामने आया है।

एसपी मनोज स्वर्गियारी ने बताया कि 15 लाख का इनामी मदन महतो करीब 25 वर्षों से माओवादी संगठन में सक्रिय था। उसके खिलाफ झारखंड और पश्चिम बंगाल में 41 मामले दर्ज हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार वह 62 पुलिस और सुरक्षा बल के जवानों की हत्या से जुड़े मामलों में आरोपी रहा है। उसका नाम शिलदा ईएफआर कैंप हमला, काकड़ाझोर लैंडमाइन विस्फोट, बुरुडीह डैम आईईडी ब्लास्ट, सांसद सुनील महतो हत्याकांड और टोंटो के तुम्बाहाका जंगल विस्फोट जैसी बड़ी घटनाओं में सामने आया है।

झारखंड में मानसून एक बार फिर से सक्रियः10 अगस्त तक विभिन्न हिस्सों में बारिश होने की संभावना, अबतक 24% कम वर्षा दर्ज

रांची। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। कई जिलों में गुरुवार को सुबह से बादल छाए रहे और दोपहर बाद शुरू हुई बारिश शाम तक जारी रही। देर रात तक भी रुक-रुककर बारिश होती रही।

बारिश से कई दिनों से जारी उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को राज्य में कहीं-कहीं गर्जन, वज्रपात और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

10 अगस्त तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश होने की स्थिति बनी हुई है। वहीं, 1 जून से 6 अगस्त तक बारिश के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में 571.1 मिमी की जगह मात्र 435.1 मिमी वर्षा हुई है। यह अब भी औसतन 24% कम है।

इधर, कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, धान सहित अन्य खरीफ फसलों के लिए यह बारिश लाभदायक रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। इसके अगले दो दिनों के दौरान तापमान में दो-तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है।

जेएसएलपीएस में कर्मियों का वेतन 60 प्रतिशत तक बढ़ा, 1300 अतिरिक्त पदों पर रोजगार के अवसर होंगे सृजित

रांची। जेएसएलपीएस के अधीन काम करने वाले कर्मियों के लिए एक अच्छी खबर है। लंबे समय के इंतजार के बाद जेएसएलपीएस की नई मानव संसाधन व्यवस्था (एचआर पॉलिसी) को हरी झंडी मिल गई है। राज्य की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की विशेष पहल के बाद ये संभव हो सका है। नई मानव संसाधन व्यवस्था लागू होने से जेएसएलपीएस में करीब 13 सौ अतिरिक्त पदों पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

ये कदम संस्था की कार्य क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ राज्य के बेरोजगार युवकों को रोजगार के अवसर प्रदान करने में मददगार साबित होगा। जेएसएलपीएस की नई मानव संसाधन व्यवस्था पर गौर करें तो एल-5 से एल-8 तक के कर्मचारियों के वेतन में 60% तक का इजाफा किया गया है। नई व्यवस्था में कर्मचारियों के लैपटॉप और संचार भत्ते में वृद्धि की गई है, जो आज के बदलते हुए दौर के लिहाज से काम के लिए जरूरी है। ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि लंबे समय से नई मानव संसाधन व्यवस्था लागू करने की मांग उठ रही थी। अतिरिक्त पदों पर रोजगार सृजन के साथ काम को गति मिलेगी।

वह सबकुछ जो आपके लिए जानना जरूरी है पहली बार जेएसएलपीएस कर्मियों को बच्चों की शिक्षा के लिए 'शिक्षा भत्ता' और उनके बौद्धिक व पेशेवर विकास के लिए 'व्यावसायिक विकास भत्ता' दिया जाएगा। प्रखंड स्तर के कर्मियों के क्षेत्र भ्रमण भत्ते में वृद्धि की गई है, साथ ही अब जिला स्तर के कर्मियों को भी इस भत्ते का लाभ मिलेगा। कर्मचारी अब प्रति माह स्वास्थ्य लाभ के मद में ?1,000 तक का क्लेम कर सकेंगे। पात्र कर्मियों को अब ग्रेच्युटी का लाभ भी प्रदान किया जाएगा। समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा ?20 लाख से बढ़ाकर ?30 लाख किया गया। समूह मेडिक्लेम बीमा 5 लाख से बढ़ाकर ?20 लाख किया गया।

पहले सप्ताह में 10 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलार्पणः मंदिर को 86.85 लाख रुपए की आय

देवघर। राजकीय श्रावणी मेले के पहले सप्ताह में 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा वैद्यनाथ मंदिर में जलार्पण किया। इनमें 6 लाख श्रद्धालुओं ने आंतरिक अरघा और 3 लाख से अधिक ने बाहरी अरघा से जल चढ़ाया। इस दौरान बाबा मंदिर को विभिन्न स्रोतों से 86.85 लाख रुपए की आय हुई। सबसे अधिक 72.28 लाख रुपए शीघ्रदर्शनम कूपन के मंदिर हिस्से से मिले।

पहले सप्ताह में परिवहन विभाग को 13.90 लाख रुपए और राज्य कर (जीएसटी) विभाग को व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से 15.28 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 34 सूचना केंद्र और महिलाओं के लिए 10 मातृत्व विश्रामगृह बनाए गए हैं। ठहरने के लिए कोठिया में 1400 और 600-600 बेड की तीन टेंट सिटी, बाघमारा में 750 बेड तथा आध्यात्मिक भवन में 700 बेड की व्यवस्था की गई है।

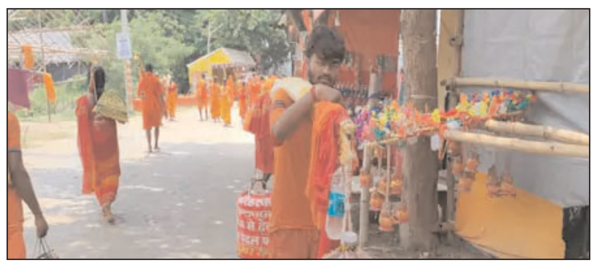

35 स्वास्थ्य शिविर 111 डॉक्टर और 470 पैरामेडिकल कर्मी तैनात : मेले की सुरक्षा के लिए 925 सीसीटीवी कैमरे, जिनमें 225 एआई आधारित हैं, और 5 ड्रोन से निगरानी की जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 35 शिविरों में 111 डॉक्टर और 470 पैरामेडिकल कर्मी तैनात हैं। एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार के निर्देश दिए गए हैं। दूसरी सोमवारी को लेकर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	7	5		9				6
	2	3		8			4	
8					3			1
5			7		2			
	4		8		6		2	
			9		1			3
9			4					7
	6			7		5	8	
7				1		3	9	

पिछले अंक का उत्तर

1	9	4	6	2	7	3	5	8
3	2	5	9	8	4	1	6	7
6	8	7	3	1	5	4	2	9
9	4	3	7	5	1	2	8	6
7	6	2	4	3	8	5	9	1
8	5	1	2	9	6	7	3	4
2	7	6	8	4	3	9	1	5
5	3	8	1	7	9	6	4	2
4	1	9	5	6	2	8	7	3

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

बार एसोसिएशन का बेमियादी कार्य बहिष्कारःसिविल कोर्ट की सुनवाई में शामिल नहीं होंगे अधिवक्ता

रांची। रांची जिला बार एसोसिएशन की आमसभा में गुरुवार को वकीलों के सम्मान में एक और फैसला लिया गया। तय किया गया कि शुक्रवार को सिविल कोर्ट में कोई भी अधिवक्ता काम नहीं करेंगे। 8 अगस्त को माह का दूसरा शनिवार होने के कारण सिविल कोर्ट बंद रहता है। उधर, एसडीओ, डीसी और कमिश्नर कोर्ट समेत तमाम कार्यपालक अदालतों का अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार पूर्व की भांति जारी रहेगा। नए बार भवन के प्रथम तल पर आयोजित आमसभा में वकीलों की भारी मौजूदगी में एड-हॉक कमेटी के सदस्य शंभू प्रसाद अग्रवाल, मुकेश कुमार केसरी और संजय कुमार विद्रोही की अगुवाई में यह निर्णय लिया गया। बताते चलें कि अधिवक्ताओं का यह कार्य बहिष्कार का निर्णय एसडीओ कार्यालय से दो दर्जन अधिवक्ताओं के विरुद्ध निर्गत नोटिस के विरोध में चार अगस्त को लिया गया है।

गिल वार्म-अप मैच के पहले दिन नहीं खेल रहेः उंगली में चोट; टी-ब्रेक तक श्रीलंका-ए 246/4, तीन भारतीय बॉलर्स को 1-1 विकेट

भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका इलेवन के खिलाफ वॉर्म-अप मैच के पहले दिन नहीं खेल रहे हैं। **BCCI** ने बताया कि गुरुवार को प्रैक्टिस के दौरान उनके दाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी।

वॉर्म-अप मैच में भारतीय टीम की कप्तानी केएल राहुल कर रहे हैं। मेजबान श्रीलंका की टीम टॉस जीतकर पहले बैटिंग कर रही है। टीम ने टी-ब्रेक तक 59.3 ओवर में 4 विकेट पर 246 रन बना लिए हैं।

भारत-श्रीलंका पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। टीम मैनेजमेंट ने टेस्ट मैच को देखते हुए ही गिल को वॉर्म-अप मैच में आराम देने का फैसला किया है।

दूसरे सेशन में तीन विकेट गिरे

लंच के बाद श्रीलंका क्रिकेट इलेवन ने 138/1 से आगे खेलते हुए दूसरे सेशन में 108 रन जोड़कर 3 विकेट गंवाए और स्कोर 246/4 तक पहुंचाया। रविंदु रसान्था ने 143 गेंदों में 71 रन बनाए, लेकिन मानव सुथार की गेंद पर सब्स्टिट्यूट वैभव निगम के हाथों कैच आउट हो गए।

इससे पहले रविंद्र जडेजा ने 35 रन पर पसिंदु सूरियाबंदारा को बोल्ड किया, जबकि टी-ब्रेक से ठीक पहले गुरनूर बरार ने पवन रत्नायके (39) को देवदत्त पडिक्कल के हाथों कैच कराया। टी तक अहान विक्रमसिंघे 27 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए दूसरे सेशन में जडेजा, मानव सुथार और गुरनूर बरार ने एक-एक विकेट लिया।

लंच तक बॉलर्स को कोई विकेट नहीं

मैच के पहले दिन लंच तक श्रीलंका क्रिकेट इलेवन ने 29 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 138 रन बना लिए हैं। रविंदु रसान्था 82 गेंदों में 50 और पसिंदु सूरियाबंदारा 27 गेंदों में 16 रन बनाकर नाबाद हैं। इससे पहले निशान फर्नांडो ने 65 गेंदों पर 66 रन की पारी खेली, लेकिन वह 20.4 ओवर में रनआउट हो गए।

भारतीय गेंदबाजों को लंच तक कोई विकेट नहीं मिला और एकमात्र सफलता रनआउट के रूप में आई। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार ने 5-5 ओवर में 14-14 रन दिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 27, रविंद्र जडेजा ने 29, कुलदीप यादव ने 23 और गुरनूर बरार ने 25 रन खर्च किए।

तैयारियों के लिए अहम है वॉर्म-अप मैच

तीन दिन का यह वॉर्म-अप मैच भारत के लिए काफी अहम है। टेस्ट की सीरीज से पहले खिलाड़ियों को श्रीलंका की परिस्थितियों और स्पिन के अनुकूल ढलने का मौका मिलेगा। भारत ने अपना पिछला टेस्ट जून में खेला था।

भारत का श्रीलंका दौरा

पहला टेस्ट
15-19 अगस्त, गॉल

दूसरा टेस्ट
23-27 अगस्त, कोलंबो

भारत फिलहाल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए श्रीलंका के खिलाफ यह सीरीज टीम के लिए काफी अहम मानी जा रही है।

यह मुकाबला फील्डिंग कोच सुभादीप घोष के कार्यकाल का पहला मैच भी है। **BCCI** ने पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप और सहायक कोच रयान टेन डोशेट का अनुबंध आगे नहीं बढ़ाया था।

बल्लेबाज साई सुदर्शन अभी बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चोट से उबर रहे हैं। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण इस दौरे का हिस्सा नहीं हैं।

बिजनेस न्यूज

लोन डिफॉल्ट पर बैंक नहीं कर सकेंगे मोबाइल-लैपटॉप लॉक, आरबीआई ने जारी किए नए रिकवरी नियम

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने ऋण वसूली प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और ग्राहक हितैषी बनाने के लिए महत्वपूर्ण फैसला लिया है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि पर्सनल लोन, होम लोन या कार लोन का भुगतान नहीं करने पर बैंक या वित्तीय संस्थान किसी ग्राहक का मोबाइल फोन, लैपटॉप या अन्य डिजिटल डिवाइस लॉक या डिसेबल नहीं कर सकेंगे। यह से पूरे देश में लागू होगा।

आरबीआई के अनुसार, बैंक केवल उन्हीं मामलों में डिवाइस को लॉक या निष्क्रिय कर सकेंगे, जब वह डिवाइस स्वयं बैंक या वित्तीय संस्था के ऋण पर खरीदा गया हो और ऋण अनुबंध में इस संबंध में स्पष्ट प्रावधान मौजूद हो। इसके अलावा किसी भी अन्य प्रकार के लोन की वसूली के लिए ग्राहकों के निजी उपकरणों को नियंत्रित करने की अनुमति नहीं होगी।

केंद्रीय बैंक ने यह निर्णय हाल के वर्षों में सामने आए उन मामलों को ध्यान में रखते हुए लिया है, जिनमें कुछ वित्तीय संस्थानों या रिकवरी एजेंसियों पर ऋण वसूली के नाम पर ग्राहकों के मोबाइल या लैपटॉप को दूर से लॉक करने, डेटा तक पहुंच बाधित करने और मानसिक दबाव बनाने के आरोप लगे थे। आरबीआई ने माना कि ऐसी कार्रवाई ग्राहकों की निजता (प्राइवेसी), डिजिटल अधिकारों और उपभोक्ता संरक्षण के सिद्धांतों के विपरीत है।

नए दिशानिर्देशों के तहत बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऋण वसूली की प्रक्रिया कानून के दायरे में, सम्मानजनक और पारदर्शी तरीके से की जाए।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 456 अंक टूटा; निफ्टी 24,571 पर बंद, बैंकिंग शेयरों में रही भारी बिकवाली

मुंबई। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार, 7 अगस्त को घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 456 अंक टूटकर 78,499 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 65 अंक की गिरावट के साथ 24,571 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली देखने को मिली, जबकि आईटी और ऑटो सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का रुख बना रहा।

दिनभर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों ने बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली की, जिससे प्रमुख सूचकांकों पर दबाव बना रहा। दूसरी ओर, आईटी और ऑटो कंपनियों के शेयरों में खरीदारी होने से बाजार को कुछ सहारा मिला, लेकिन यह गिरावट को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं रहा।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक आर्थिक संकेतों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों के बीच निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इसी वजह से बैंकिंग शेयरों में बिकवाली बढ़ी और बाजार लाल निशान में बंद हुआ।

विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले कारोबारी सत्रों में निवेशकों की नजर वैश्विक बाजारों, कच्चे तेल की कीमतों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति और विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश पर रहेगी। यदि वैश्विक परिस्थितियां अनुकूल रहीं और विदेशी निवेश जारी रहा, तो बाजार में फिर से तेजी लौट सकती है।

शेयर बाजार के जानकारों का मानना है कि अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद, कॉरपोरेट आय में सुधार और घरेलू निवेशकों की निरंतर भागीदारी लंबी अवधि में बाजार को मजबूती प्रदान कर सकती है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

आर प्रज्ञानानंदा बने सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज चैंपियनः ब्लिट्ज के एक राउंड बाकी रहते जीता खिताब; रैपिड में भी टॉप पर थे

भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के सेंट लुइस में खेले गए ग्रैंड चेस टूर के सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया।

रैपिड राउंड के बाद प्रज्ञानानंदा पॉइंट्स टेबल में टॉप पर थे। ब्लिट्ज के दूसरे अंतिम राउंड में उन्होंने उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेलकर एक राउंड बाकी रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया।

उन्होंने 35 में से 23.5 अंक जुटाए और दूसरे स्थान पर रहे सिंदारोव (22 अंक) से 1.5 अंक आगे रहकर अपने करियर का पहला **GCT** रैपिड एंड ब्लिट्ज खिताब जीता। इस जीत पर उन्हें 50 हजार डॉलर (करीब 48 लाख) की प्राइज मनी और 13 **GCT** अंक मिले।

पूरे टूर्नामेंट में बनाए रखी बढ़त

प्रज्ञानानंदा पूरे पांच दिन चले टूर्नामेंट में टॉप पर बने रहे। सिंदारोव ने आखिरी दिन तक उन्हें कड़ी टक्कर दी, लेकिन भारतीय ग्रैंडमास्टर ने अपनी बढ़त बरकरार रखी। ब्लिट्ज के अंतिम नौ राउंड में उन्होंने तीन मुकाबले जीते, पांच ड्रॉ खेले और सिर्फ एक मैच गंवाया।

रैपिड और ब्लिट्ज दोनों में सबसे ज्यादा अंक

प्रज्ञानानंदा ने सिर्फ संयुक्त खिताब ही नहीं जीता, बल्कि रैपिड और ब्लिट्ज दोनों राउंड में सबसे ज्यादा अंक भी जुटाए। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'स्कोर देखकर सब कुछ आसान लगता है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं था। सिंदारोव ने आखिर तक कड़ी टक्कर दी।'

दूसरे अंतिम राउंड में पक्का किया खिताब

ब्लिट्ज के दूसरे अंतिम राउंड में प्रज्ञानानंदा का सामना सीधे सिंदारोव से हुआ। इस मुकाबले में ड्रॉ उनके लिए खिताब सुनिश्चित करने के लिए काफी था। मैच के एंडगेम में मोहरे का नुकसान होने के बावजूद उन्होंने शानदार बचाव किया और मुकाबला ड्रॉ करा लिया। इसके साथ ही आखिरी राउंड से पहले ही उनका खिताब पक्का हो गया।

बटलर टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेः पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ा, बोले-15 साल के वैभव सूर्यवंशी एक दिन इसे तोड़ेंगे

इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान कीरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ दिया। बटलर के नाम अब 522 टी-20 मैचों में 14,833 रन हैं, जबकि पोलार्ड ने 746 मैचों में 14,803 रन बनाए हैं।

बटलर ने यह उपलब्धि द हंड्रेड लीग में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए वेल्श फायर के खिलाफ हासिल की। उन्होंने 20 गेंदों में 51 रन की तेज पारी खेलकर पोलार्ड को पीछे छोड़ दिया।

रिकॉर्ड बनाने के बाद बटलर का एक बयान भी चर्चा में रहा। उन्होंने कहा कि भारत के 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भविष्य में यह रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

विमेंस एशिया कप में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच 5 सितंबर कोः 28 अगस्त से शुरू होगा

विमेंस एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच 5 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने गुरुवार को टूर्नामेंट का शेड्यूल जारी किया।

टी-20 फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट की शुरुआत 28 अगस्त को होगी। पहला मुकाबला थाईलैंड और हांगकांग के बीच होगा। भारत-पाकिस्तान ग्रुप-ए में शामिल हैं।

8 टीमें हिस्सा ले रहीं, 13 सितंबर को फाइनल

यह विमेंस एशिया कप का छठा एडिशन होगा, जो टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत और पाकिस्तान के साथ थाईलैंड, हांगकांग-चीन को रखा गया है। ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई और इंडोनेशिया शामिल हैं।

ग्रुप स्टेज के बाद दोनों ग्रुप से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 13 सितंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ही आयोजित किए जाएंगे। विमेंस एशिया कप के टी-20 फॉर्मेट में अब तक 5 टूर्नामेंट खेले गए हैं। इनमें भारत ने सबसे ज्यादा 3 बार खिताब जीता है। बांग्लादेश और श्रीलंका ने एक-एक बार ट्रॉफी अपने नाम की। श्रीलंका मौजूदा चैंपियन है।

टीम इंडिया का नया रूल-10 मिनट में 2द्मद्ब दौड़ना जरूरीः1200 मीटर की दौड़ 5.20 मिनट में पूरी करनी होगी; फिटनेस लेवल सुधारने की पहल

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट पास करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर टीम के खराब प्रदर्शन के बाद **BCCI** ने फिटनेस पैरमीटर्स को ज्यादा चैलेंजिंग बनाने का फैसला किया है।

भारतीय खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस साबित करने के लिए दो तरह के टेस्ट से गुजरना होता है। इनमें एक ब्रोंको टेस्ट और दूसरा 2 किलोमीटर की दौड़ है। ब्रोंको टेस्ट के लिए पहले 6 मिनट का समय मिलता था। अब इसे 5 मिनट 15 सेकेंड से लेकर 5 मिनट 20 सेकेंड में पूरा करना होगा। इसके ठीक बाद 2 किलोमीटर की दौड़ 9 से 10 मिनट में पूरी करनी होगी।

ब्रोंको टेस्ट में पांच सेट होते हैं। हर सेट में खिलाड़ियों को 20 मीटर अप-डाउन, 40 मीटर अप-डाउन और 60 मीटर अप-डाउन की दौड़ लगानी होती है। यानी एक सेट में कुल 240 मीटर दौड़ना होता है। पूरे टेस्ट में इस तरह के पांच सेट लगाने होते हैं। सेट के बीच कोई ब्रेक नहीं होता। पहले पूरे टेस्ट के लिए 6 मिनट का समय था। अब इसमें 40 सेकेंड तक की कमी की गई है।

ब्रोंको टेस्ट के अलावा खिलाड़ियों को 2 किलोमीटर की रनिंग भी करनी होती है। पहले यह स्टैंड अलोन टेस्ट था। यानी इसे ब्रोंको के साथ नहीं लिया जाता था। पुराने नियम के तहत फास्ट बॉलर्स को 8 मिनट 15 सेकेंड में 2 किलोमीटर दौड़ना होता था। बाकी खिलाड़ियों के लिए 8 मिनट 30 सेकेंड का समय निर्धारित था।

अब 2 किलोमीटर की रनिंग ब्रोंको टेस्ट के ठीक बाद करनी होगी। समय में कुछ रियायत दी गई है। खिलाड़ी 2 किलोमीटर की दौड़ 9 से 10 मिनट में पूरी कर सकते हैं। दोनों टेस्ट बैक टु बैक होंगे, लिहाजा खिलाड़ियों के लिए यह पहले से ज्यादा चैलेंजिंग है।

BCCI सूत्रों के मुताबिक, पिछले एक साल में फिटनेस टेस्ट के मानकों का सख्ती से पालन नहीं किया गया।

कुछ सीनियर खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट में पास कराने के लिए अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य दिए गए।

टीम मैनेजमेंट की मांग पर ष्टश्श स्टाफ ने हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद क्लियरेंस दे दी थी।

इंग्लैंड दौरे के दौरान हर्षित राणा को ज्यादा वजन के कारण टीम से वापस भेजा गया था।

टीम मैनेजमेंट के अनुसार उस समय हर्षित का वजन 97 किलो था।

अब **CoE** ने उनके लिए वजन 96 किलो से कम रखने का टारगेट तय किया है।

फिलहाल हर्षित का वजन 94 किलो है और अगले हफ्ते तक उन्हें फिट घोषित किया जा सकता है।

बार-बार इंजरी पर फिजियो से जवाब-तलब

खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने और इंग्लैंड के अनुकूल मौसम में भी मांसपेशियों में खिंचाव यानी क्रैम्प्स की शिकायतों के बाद क्चष्टढ्ढ सेक्रेटरी देवजीत सैकिया और टीम मैनेजमेंट ने टीम के फिजियो कमलेश जैन से जवाब-तलब किया है।

निर्माण श्रमिकों के कल्याण हेतु अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों को मंडल की बैठक में मिली स्वीकृति

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिको की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के सुधार हो रहा है। विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करें की शासन की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक श्रमिकों को मिले। प्रदेश के श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने आज छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की बैठक को सम्बोधित करते हुए इस आशय के विचार व्यक्त किये।

छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की पंचम कार्यकाल की नवम बैठक आज गुरूवार को नवा रायपुर स्थित मण्डल कार्यालय में श्रम मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन श्री लखन लाल देवांगन, मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, उप सचिव श्रम विभाग श्री विपुल गुप्ता, अपर श्रमायुक्त श्री एस.एल. जांगड़े, कल्याण प्रशासक श्री सुनील मिश्रा, मण्डल के सचिव श्री गिरीश रामटेके सहित श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। नवीन सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अनुरूप श्रमिक कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का निर्णय लिया गया। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत राज्य के 20 चयनित विद्यालयों में 200 निर्माण श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 6वीं में निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में निर्माण श्रमिकों के बच्चों को इंजीनियरिंग, मेडिकल, प्रबंधन तथा अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययन हेतु प्रदान की जाने वाली शैक्षणिक सहायता राशि का एकरूपीकरण करने का निर्णय भी लिया गया, जिससे अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन मिल सके। इसी प्रकार अटल करियर निर्माण योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1,000 निर्माण श्रमिकों के बच्चों को नीट (हृश्वश्वञ्ज) एवं जेईई (छ्वश्वश्व) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराने का अनुमोदन किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन एवं डॉ. रामप्रताप सिंह अध्यक्ष छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने कहा कि राज्य सरकार निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों के समग्र विकास और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के हित में नई योजनाएँ प्रारंभ करने तथा वर्तमान योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए सरकार सतत प्रयासरत है, ताकि प्रत्येक पात्र निर्माण श्रमिक तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुँच सके।

अधिक मूल्य पर खाद बेचने वाली एजेंसी का विक्रय प्राधिकार पत्र निलंबित

रायपुर। अधिसूचित प्राधिकारी (उर्वरक) एवं कांकेर जिले में कृषि विभाग के उप संचालक श्री जितेन्द्र कोमरा ने कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के पखांजूर में अधिक कीमत पर उर्वरक विक्रय किए जाने की शिकायत के विरूद्ध जांच दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित एजेंसी का उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। भानुप्रतापपुर के अनुविभागीय कृषि अधिकारी की अध्यक्षता में गठित जांच दल से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। अधिसूचित प्राधिकारी (उर्वरक) एवं उप संचालक कृषि ने बताया कि पखांजूर के कृषक श्री रवीन मजूमदार निवासी पीव्ही 14 एवं सुदाम गाईन पीव्ही 12 को मेसर्स देवनाथ एजेंसी के प्रोप्राइटर श्री शतदल देवनाथ नया बाजार पखांजूर द्वारा कृषि सामग्री (खाद) को उचित मूल्य से अधिक कीमत पर विक्रय किए जाने के संबंध में लिखित शिकायत प्राप्त हुई थी। इस संबंध में अनुविभागीय कृषि अधिकारी भानुप्रतापपुर की अध्यक्षता में जांच दल गठित की गई तथा संबंधित कृषकों के लिखित बयान एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच दल द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। उक्त शिकायत को सही पाए जाने पर अधिसूचित प्राधिकारी (उर्वरक) एवं उप संचालक कृषि ने उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक य मिश्रण) (नियंत्रण) आदेश, 1985 के खण्ड-31(1) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मेसर्स देवनाथ एजेंसी प्रोप्राइटर श्री शतदल देवनाथ नया बाजार पखांजूर विकासखण्ड कोयलीबेड़ा को जारी उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र को अंतरिम उपाय के रूप में निलंबित करने का आदेश जारी किया है।

विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव के लिए पोषण एवं बाल कल्याण पर राज्य नीति आयोग-यूनिसेफ का मंथन

रायपुर। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में पोषण एवं बाल कल्याण को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग में आज उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा की अध्यक्षता में यूनिसेफ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में पोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं बाल कल्याण से जुड़े प्रयासों को प्रभावी बनाने तथा नवाचारों को बढ़ावा देने पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि पोषण और बाल कल्याण किसी भी विकसित एवं सशक्त समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा जैसे क्षेत्रों में पोषण संबंधी चुनौतियों के समाधान के लिए प्रभावी, व्यावहारिक एवं नवाचारी उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यूनिसेफ के विशेषज्ञों से आग्रह किया कि ऐसे समाधान विकसित किए जाएं, जिनका लाभ प्रत्येक बच्चे, गर्भवती महिला एवं परिवार तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।

बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न नवाचारों पर भी सार्थक चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि गर्भवती महिलाओं के लिए पहले जहां पांच इंजेक्शन (खुराक) की आवश्यकता होती थी, वहीं अब एक ही इंजेक्शन से समतुल्य लाभ संभव है। इसे माताओं के लिए अधिक सुविधाजनक तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण नवाचार बताया गया।

इसके साथ ही बच्चों एवं महिलाओं में एनीमिया (रक्ताल्पता) तथा कुपोषण की समस्या के प्रभावी समाधान पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालु भारत गौरव ट्रेन से रामलला एवं बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए रवाना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनआस्था, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक पर्यटन को जनकल्याण से जोड़ते हुए प्रदेशवासियों के वर्षों पुराने सपनों को साकार कर रही है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में पर्यटन विभाग द्वारा संचालित रामलला दर्शन योजना प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा, सेवा और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बन चुकी है। इसी कड़ी में अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन से सरगुजा संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर भारत गौरव ट्रेन श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्री रामलला तथा श्री काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन के लिए श्रद्धा और उत्साह के वातावरण में रवाना हुई।

रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही भक्ति और उल्लास का अनूठा वातावरण देखने को मिला। श्रद्धालु भगवान श्रीराम के जयघोष के साथ स्टेशन पहुंचे। पूरा परिसर जय श्रीराम, हर-हर महादेव और जय सियाराम के उद्घोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं के चेहरों पर अपने आराध्य के दर्शन का उत्साह और भावनात्मक खुशी स्पष्ट दिखाई दे रही थी। अनेक परिवार पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे, जहां परिजनों ने तिलक लगाकर और पुष्पवर्षा कर यात्रियों को शुभ यात्रा की मंगलकामनाओं के साथ विदा किया।

भारत गौरव ट्रेन को जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्रीमती मंजूषा भगत (महापौर), श्री हरविंदर सिंह टिनी (सभापति), श्रीमती नीरूपा सिंह (जिला पंचायत अध्यक्ष) सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल, जिला प्रशासन तथा भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत करते हुए यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं को श्री अयोध्या धाम में प्रभु श्री रामलला के दिव्य दर्शन तथा श्री काशी विश्वनाथ धाम में बाबा विश्वनाथ के दर्शन एवं पूजन का सौभाग्य प्राप्त होगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सम्मान का विशेष ध्यान रखा गया है। पूरी यात्रा का संचालन पर्यटन विभाग एवं आईआरसीटीसी के समन्वय से सुव्यवस्थित रूप से किया जा रहा है।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को आरामदायक रेल यात्रा, स्वच्छ एवं सुरक्षित आवास, पौष्टिक शुद्ध शाकाहारी भोजन, पेयजल, स्थानीय परिवहन, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा व्यवस्था तथा अनुभवी एस्कॉर्ट दल की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं तथा दिव्यांग यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष सहायता की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि प्रत्येक श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के अपनी आध्यात्मिक यात्रा पूर्ण कर सके।

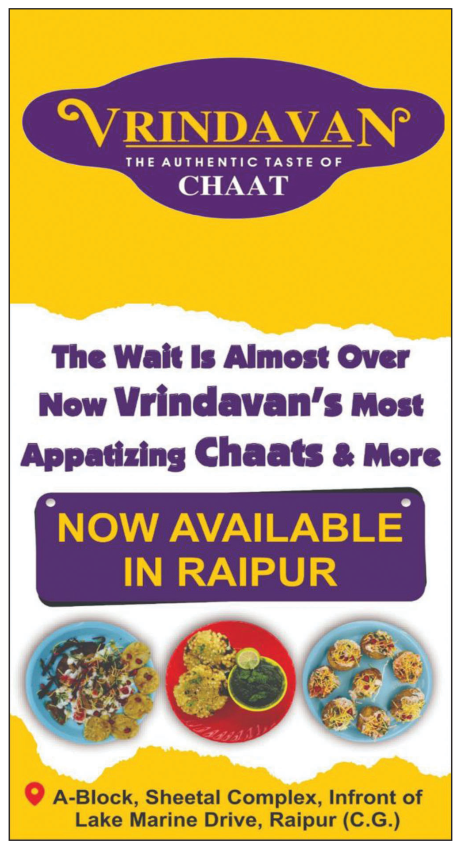

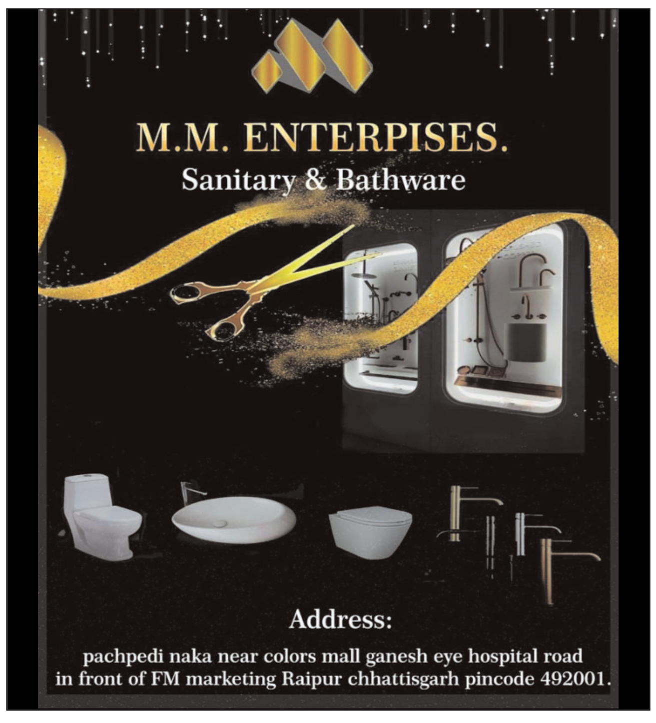

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684